https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
गुरुवार, 18 जून 2026
वर्ष 19 अंक 12
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

वांटेड सटोरिए पुलिस लिस्ट से डिलीट नही हुए :एडीजी ...- 3 | रानी लक्ष्मी बाई - बलिदान दिवस - आज

सार संक्षेप

अफगानिस्तान के लिए भारत ने निकाले विमान, भेजी 5 टन की मदद

अफगानिस्तान (जीएनएस)। मुश्किल दौर से गुजर रहे अफगानिस्तान की मदद के लिए भारत एक बार फिर आगे आया है। भारत ने मानवीय सहायता के तहत काबुल को 5 टन जरूरी दवाइयों की खेप भेजी। यह कदम सिर्फ राहत सामग्री पहुंचाने तक सीमित नहीं है बल्कि दोनों देशों के दशकों पुराने रिश्तों और भारत की उस नीति को दर्शाता है जिसमें जिसमें पड़ोसी देशों के लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है। इससे पहले भी भारत ने अफगानिस्तान के स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। हाल ही में भारत ने अफगान स्वास्थ्य अधिकारियों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की सौगात दी थी। इनमें नवजात और बच्चों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, वेंटिलेटर, मरीजों की निगरानी करने वाली मशीनें, कार्डियोग्राफ मशीन, प्लास्टिक सर्जरी किट और अन्य विशेष मेडिकल उपकरण शामिल थे। इन संसाधनों से अफगान अस्पतालों की क्षमता बढ़ने की उम्मीद थी। भारत लगातार यह संदेश दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अफगान की जनता है।

भारत का अगला शिकार है ये देश, बड़ी तैयारी शुरू, भेजे गए हथियार

नई दिल्ली (जीएनएस)। एक देश भारत के लिए बहुत बड़ा सरदर्द बन गया है। यह देश भारत विरोधी अपराधियों और आतंकियों का नया अड्डा बन गया है। इसी वजह से यह देश भारत के टारगेट पर आ गया है। यह देश भारत का अगला बड़ा शिकार बनने वाला है। इसका सबसे बड़ा कारण ये है कि पाकिस्तानी आतंकियों के साथ-साथ ये देश अब ख़ालिस्तानियों का नया घर बन गया है। अभी तक खालिस्तानी कनाडा से अपना सबसे बड़ा नेटवर्क चला रहे थे। लेकिन भारत सरकार के एक्शन के बाद कनाडा की सरकार ने खालिस्तानियों पर नकेल कसनी शुरू कर दी। जिसके बाद पाकिस्तान की मदद से खालिस्तानियों ने अपना नेटवर्क इस देश में बनाना शुरू कर दिया। अजरबैजान ही भारत का अगला बड़ा टारगेट है। वैसे हम आपको बता दें कि भारत ने अजरबैजान का तगड़ा इलाज शुरू भी कर दिया है। मुस्लिम देश अज़रबैजान की गर्दन तोड़ने के लिए उसके पड़ोसी देश में भारत के हथियार पहुंचा दिए गए हैं।

पोप लियो ने XIV अमेरिका-ईरान शान्ति समझौते को सराहा, कहा- पश्चिम एशिया में बढ़ेगा भरोसा और स्थिरता

(जीएनएस)। पोप लियो XIV ने बुधवार को ईरान और अमेरिका के बीच होने वाले शांति समझौते का स्वागत किया। शुक्रवार को इस समझौते पर हस्ताक्षर होने हैं। पोप ने उम्मीद जताई कि इस समझौते से मध्य पूर्व में आपसी भरोसा, सुरक्षा और स्थिरता आएगी। एक्स पर एक पोस्ट में, पोप ने इस समझौते को बातचीत और बातचीत के ज़रिए किए गए धैर्यपूर्ण काम का नतीजा बताया। समझौते में शामिल देशों का आभार जताते हुए, पोप ने उम्मीद जताई कि इससे लोगों के बीच बातचीत और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। पोस्ट में लिखा था, मैं इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हुए समझौते का खुशी के साथ स्वागत करता हूँ, जिस पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए जाएँगे।

जी 7 के मंच से मोदी के सामने ट्रंप ने दुनिया को दिया बड़ा मैसेज

भारत जो चाहे वो कर सकता है, कभी किसी ने उस पर हमला किया तो... :मोदी

फ्राँस (जीएनएस)। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि हमने हमेशा कहा है कि समुद्री रास्ते से आने-जाने की आज़ादी पक्की होनी चाहिए और हमें इस बात पर ज़ोर भी देना चाहिए। समुद्री व्यापार के क्षेत्र में दुनिया के अलग-अलग समुद्रों में लाखों भारतीय नाविक काम कर रहे हैं। मेरा मानना है कि उनकी सुरक्षा भी उतनी ही ज़रूरी है। मुझे भरोसा है कि (ईरान के साथ) समझौते में नाविकों की सुरक्षा पक्की की जाएगी और उसे प्राथमिकता दी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फ्रांस में हमारी कुछ बहुत अच्छी बैठकें हुईं। यह जी7 है। इसके बाद जी2 और फिर जी20 होने वाली है। खास तौर पर, भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम ट्रेड डील कर रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच बहुत कुछ हो रहा है। अमेरिका अब तक के सबसे अच्छे दौर से गुज़र रहा है। हमारे पास 19.2 ट्रिलियन डॉलर से ज़्यादा आ रहे हैं, और हम फ़ैक्टरियाँ बना रहे हैं, हम सब कुछ बना रहे हैं। प्रधानमंत्री अमेरिका में बहुत कुछ बना रहे हैं। वह अमेरिका में काफ़ी पैसा खर्च कर रहे हैं, इसलिए हम उनके इस काम की तारीफ़ करते हैं। लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि वह लंबे समय से मेरे दोस्त रहे हैं, और हमारे रिश्ते हमेशा बहुत अच्छे रहे हैं, और आपके साथ होना बहुत अच्छा लग रहा है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि भारत पश्चिम एशिया में कोई भूमिका निभाएगा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हां, मुझे उम्मीद है। मुझे लगता है कि भारत हर चीज़ में बड़ी भूमिका निभाता है। जब तक वह (पीएम नरेंद्र मोदी) नेता हैं, भारत बड़ी भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देखने में शांत लेकिन वार्ता में बेहद सख्त हैं। हम बहुत जल्द भारत के साथ ट्रेड डील फाइनल करने वाले हैं। मैं भविष्य में कभी भारत भी जाऊंगा। मैं भारत का बहुत सम्मान करता हूं।

जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने रखी भारत की विकास नीति, बोले- वैश्विक आर्थिक नज़रिए हो जरूरी

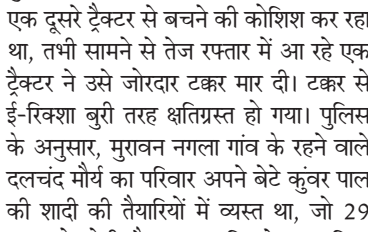

फ्राँस (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक आर्थिक नज़रिए में बुनियादी बदलाव की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए जी7 शिखर सम्मेलन में अपने भाषण की मुख्य बातें साझा कीं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सार्थक विकास के लिए पारंपरिक पैमानों से आगे देखने की ज़रूरत है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने बताया कि फ्रांस में चल रहे इस बड़े राजनयिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के दौरान, उन्होंने एवियन में जी7 शिखर सम्मेलन में सभी के लिए संतुलित, साझा और टिकाऊ आर्थिक विकास को फिर से शुरू करने पर आयोजित आउटरीच सत्र को संबोधित किया। मेज़बान देश की ओर से इस विषय पर खास ध्यान दिए जाने की तारीफ़ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अच्छी बात है कि फ्रांस की जी7 अध्यक्षता ने इस विषय को महत्व दिया है। दुनिया के मंच पर ज़्यादा समावेशी और इंसान-केंद्रित सोच की वकालत करते हुए और पारंपरिक वित्तीय ढांचों को चुनौती देते हुए, पीएम मोदी ने देशों के तरक्की मापने के तरीके में एक अहम वैचारिक बदलाव की बात कही। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा कि आज सच्चाई यह है कि जब विकास की बात आती है, तो सवाल लष्ठक्रया व्यापार के आंकड़ों के बारे में नहीं होना चाहिए।

टूट गई उद्धव की सेना, 6 बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को सौंपी चिट्ठी

मुँबई (जीएनएस)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में आखिरकार फिर से फूट पड़ गई है। पार्टी के छह सांसदों ने बुधवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओमप्रकाश बिरला से मुलाकात की और एक पत्र सौंपकर बताया कि वे एक स्वतंत्र गुट बना रहे हैं। स्पीकर ने आखिरकार इस अलग गुट को मंजूरी दे दी है, जिससे ऑपरेशन टाइगर सफल हो गया है। ये सांसद 19 जून को - जो शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस है - महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो जाएंगे। अलग गुट बनाने वाले छह सांसदों में संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिर्डी), संजय देशमुख (यवतमाल), नागेश पाटिल अष्टिकर (हिंगोली), ओमराजे निंबालकर (धाराशिव) और संजय पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व) शामिल हैं। इसके साथ ही, शिंदे की शिवसेना के पास अब 13 सांसदों की ताकत हो जाएगी, जिससे वे हृष्ठ में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाएंगे। ये सभी छह सांसद मंगलवार रात दिल्ली पहुंचे थे ताकि वे एकनाथ शिंदे के साथ बैठक कर सकें। यह बैठक शिंदे के बेटे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के दिल्ली स्थित आवास पर हुई। मंत्री प्रताप सरनाइक और सांसदों के अलावा, इस बैठक में 16 लोगों की कानूनी सलाहकार टीम भी मौजूद थी। शिंदे ने बहुत सावधानी बरती है ताकि उन्हें अयोग्य न ठहराया जाए।

साइबर फ्रॉड पर अमित शाह का कड़ा रुख, 1930 हैल्पलाइन को एआई से मजबूत करने का आदेश

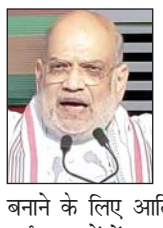

नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नेशनल साइबरक्राइम हेल्पलाइन 1930 के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिपोर्टिंग को आसान बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कई भाषाओं में सहायता की सुविधा को शामिल करके इस सिस्टम को बेहतर बनाया जाए। शाह ने एजेंसियों को राज्यों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश भी दिया, ताकि यह पक्का किया जा सके कि हर कॉल का सही नतीजा निकले और बैंक खाते फ्रीज़ करने से जुड़ी शिकायतों का समाधान हो सके। पूरे देश में साइबर अपराध की घटनाओं की रिपोर्टिंग और उन पर कार्रवाई के तरीकों को मज़बूत करने के लिए, 30 अगस्त 2019 को इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के तहत नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल लॉन्च किया गया था।

बदायूं में शादी की खुशियां मातम में बदलीं, ट्रैक्टर और ई-रिक्शा की टक्कर में 6 महिलाओं की दर्दनाक मौत

बदायूं (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में बरेली-मथुरा हाईवे पर एक ट्रैक्टर और ई-रिक्शा की टक्कर में छह महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतकों की पहचान प्रेमा देवी (32), गंगाश्री उर्फ ??सरला (32), राजकुमारी (50), रेवती (80), नारायणी (30) और आरती (30) के रूप में हुई है। ई-रिक्शा चालक शनि और दो अन्य महिलाओं को गंभीर चोटें आईं और उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा तब हुआ जब एक परिवार की आठ महिलाएं शादी के लिए रिश्तेदारों को न्योता देने ई-रिक्शा से गढ़ौना गांव जा रही थीं।

पुलिस ने बताया कि ई-रिक्शा कथित तौर पर एक दूसरे ट्रैक्टर से बचने की कोशिश कर रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, मुरावन नगला गांव के रहने वाले दलचंद मौर्य का परिवार अपने बेटे कुंवर पाल की शादी की तैयारियों में व्यस्त था, जो 29 जून को होनी है। सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जिलाधिकारी अवनीश राय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा भी मौके पर पहुंचे।

बिहार में खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा, अब सीधी मिलेगी सरकारी नौकरी, कैबिनेट की मुहर

पटना (जीएनएस)। बिहार के खिलाड़ियों को उनकी खेल उपलब्धियों के अनुरूप सम्मानजनक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद् ने बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति (संशोधन) नियमावली, 2026 के अधिसूचना प्रारूप को स्वीकृति प्रदान कर दी है। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नौकरी की स्पष्ट और बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। संशोधित नियमावली के तहत ओलंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों, ओलंपिक में शामिल किसी भी खेल विधा के किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों, क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों तथा एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को वेतन स्तर-09 में नियुक्ति का प्रावधान किया गया है।

शौर्य पथ : भारतीय सेना के सुरक्षा कवच को भेद पाना दुश्मन के लिए मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा

नई दिल्ली (जीएनएस)। दुनिया भर में बदलते युद्धक परिदृश्य, ड्रोन हमलों, आत्मघाती विमानों, झुंड आधारित हवाई हमलों और कम लागत वाले घातक मानवरहित हथियारों ने युद्ध की प्रकृति पूरी तरह बदल दी है। ऐसे समय में भारतीय सेना ने ऐसा निर्णायक कदम उठाया है, जो साफ संकेत देता है कि अब भारत दुश्मन के हर हवाई खतरे का जवाब उसी की भाषा में देगा।

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना के वायु रक्षा महानिदेशालय ने तीन अत्याधुनिक हवाई लक्ष्य प्रणालियों के लिए सूचना अनुरोध जारी किए हैं। इनमें रॉकेट आधारित मध्यवर्ती लक्ष्य प्रणाली, ड्रोन झुंड लक्ष्य प्रणाली और बहु पंखा युक्त उड़न लक्ष्य शामिल हैं। यह पहल आने वाले युद्धों की तैयारी का वह महाअभियान है जिसमें भारतीय सेना अपने वायु रक्षा सैनिकों को वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में प्रशिक्षित करेगी।

यह कदम उस समय आया है जब रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि छोटे और सस्ते ड्रोन भी अरबों की रक्षा व्यवस्था को चुनौती दे सकते हैं। इस संघर्ष ने दिखा दिया कि अब युद्ध केवल टैंक और मिसाइलों से नहीं जीते जाते, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन झुंड और तेज प्रतिक्रिया वाली वायु रक्षा प्रणाली ही असली विजेता तय करती है। भारत ने इस चुनौती को समय रहते पहचान लिया है और सेना ने दुश्मन के हर हवाई षड्यंत्र को ध्वस्त करने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है।

भारतीय सेना जिस रॉकेट आधारित लक्ष्य प्रणाली को विकसित करना चाहती है, वह विशेष रूप से इंफ्रारेड सिग्नल देने वाली प्रणाली होगी।

राम मंदिर दान घोटाले में सामने आया टिन्नू यादव का नाम, टेंपो चालक से करोड़पति बने शख्स पर लगी सबकी निगाहें

अयोध्या (जीएनएस)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे से जुड़े विवादों की जांच अब तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल ने आज भी मंदिर परिसर और उससे जुड़े लोगों से पूछताछ की। इस मामले ने अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी व्यापक बहस छेड़ दी है। विपक्षी दल जहां इसे महाघोटाला बता रहे हैं, वहीं ट्रस्ट से जुड़े लोग आरोपों को निराधार बता रहे हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विशेष जांच दल सोमवार को लगभग सात से आठ घंटे तक राम मंदिर परिसर में मौजूद रहा और मंगलवार को सुबह दस बजे से दोबारा जांच शुरू की गई। आज भी सुबह से जांच चल रही है। जांच के दौरान राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े दस से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। इनमें ट्रस्ट के वरिष्ठ अधिकारी गोपाल राव सहित कई प्रमुख लोग शामिल बताए जा रहे हैं।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते

2 अरब लोगों के लिए खुलेंगे मौके, जी 7 में बनी बात

फ्राँस (जीएनएस)। इस साल जनवरी में ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत को आधिकारिक रूप से अंतिम रूप दिए जाने के बाद - जिसे सभी समझौतों की जननी कहा गया है - भारत और श्र इस साल के अंत तक समझौते पर हस्ताक्षर करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। यह व्यापक समझौता वस्तुओं, सेवाओं और डिजिटल व्यापार को कवर करता है। इससे लगभग दो अरब लोगों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई हिस्से को शामिल करने वाला एक विशाल मुक्त बाज़ार बनेगा, जिससे व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच हुई उच्च-स्तरीय बैठक के बाद इस ऐतिहासिक समझौते की दिशा में तेज़ी साफ़ तौर पर देखी गई।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक साथ किए गए पोस्ट में यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा ने इस अहम कूटनीतिक घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने लिखा, प्रिय @narendramodi, आपसे इतनी जल्दी दोबारा मिलकर खुशी हुई। हमने अब तक की सबसे बड़ी ट्रेड डील पूरी कर ली है, और अब हम अपने वादों को पूरा करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। हम साल के आखिर तक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन करेंगे और इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट पर काम में तेज़ी लाएंगे। हम सुरक्षा और रक्षा सहयोग को भी बढ़ाएंगे। साथ ही, आईएमईसी (इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप कॉरिडोर) को आगे बढ़ाकर बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मिलकर काम करेंगे।

जी7 समिट के दौरान हुई बैठक के बाद भारत-ईयू संबंधों की दिशा को लेकर बहुत उम्मीद जताते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट किया आज एवियन में यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मिलकर बहुत अच्छा लगा। इस साल की शुरुआत में, भारत को हमारे गणतंत्र दिवस समारोह के लिए उनकी मेज़बानी करने पर गर्व था। भारत-ईयू संबंधों के लिए यह एक शानदार समय रहा है क्योंकि हमने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा कर लिया है। प्रधानमंत्री ने मौजूदा जियोपॉलिटिकल हालात को समझने और आगे बढ़ने में इन चर्चाओं के रणनीतिक महत्व पर भी ज़ोर दिया।पीएम मोदी ने आगे कहा, हमारी बातचीत के दौरान, हमने इस बात पर चर्चा की कि आने वाले समय में आर्थिक संबंधों को और कैसे गहरा किया जाए।

कश्मीर के बांदीपोरा में बादल फटने से भारी तबाही, सैलाब में डूबे दर्जनों घर और सैकड़ों एकड़ ज़मीन

बांदीपोरा (जीएनएस)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा ज़िले में नियंत्रण रेखा के पास गुरेज़ के दूर-दराज़ इलाके में स्थित तुलाल घाटी के टरटेई किलो गांव में बादल फटने की घटना हुई। अचानक और लगातार पानी गिरने और तेज़ी से बहते मलबे के कारण गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे दर्जनों रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा और सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।बाढ़ जैसे हालात की वजह से स्थानीय लोगों में घंटों तक दहशत का माहौल रहा। लोग अपने बच्चों और जानवरों को बचाते हुए घरों से निकलकर ऊंचे इलाकों की ओर भागने लगे। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले, इसी महीने 4 जून की शाम को जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले के पहाड़ी बाथोई इलाके में बादल फटने की एक और घटना हुई थी, जिसमें कई घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। हालांकि, उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू क्षेत्र में हाल के दिनों में बादल फटने की यह पांचवीं घटना है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के तीन ज़िलों डोडा, किश्तवाड़ और पुंछ में बादल फटने की चार घटनाएं हुईं, जिससे कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई और सड़कें बंद हो गईं, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

cmyk +

न्यूज ब्रीफ

104वां पाटोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न

जनता यूनियन मथुरा । घीया मंडी स्थित प्राचीन श्री रामचंद्र जी महाराज मंदिर में श्री राम जन्म महोत्सव समिति द्वारा भगवान श्री रामचंद्र जी महाराज का 104वां पाटोत्सव बुधवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। पाटोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर भक्तों की भारी उपस्थिति से दिनभर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:काल पंचामृत अभिषेक, विशेष पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री रामचंद्र जी महाराज के श्रीचरणों में पूजा-अर्चना कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। दिनभर मंदिर में दर्शन, पूजन-अर्चन एवं धार्मिक आयोजनों का क्रम चलता रहा।

आयोजित भव्य भजन संध्या में श्री श्यामश्याम संकीर्तन मंडल कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते रहे तथा मंदिर परिसर जय श्रीराम के जयघोषों से गूंज उठा।समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बंसल (भगत जी) ने कहा कि पाटोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर राजेंद्र बंसल (भगत जी), मनु ऋषि त्रिवेदी, हेमंत चतुर्वेदी, संजीव शर्मा, हेमू, अनिल पंडित, पीयूष शर्मा, ध्रुव शर्मा, नितिन चतुर्वेदी, मुखिया चंद्रप्रकाश, रुचि द्विवेदी, रुचि शर्मा, रमा शर्मा, श्याम शर्मा, केशव पंडा, निखिल वार्ष्णेय, चिन्मय शर्मा, डॉ. संजय गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी को दिया जाएगा ज्ञापन

जनता यूनियन मथुरा । श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि कल, 18 जून को प्रात: 11:00 बजे, जिलाधिकारी महोदय को 24 जून को होने वाले गंगा दशहरा की तैयारियों के संबंध में एक ज्ञापन दिया जाएगा।

अत: परिषद के सभी पदाधिकारी एवं यमुना भक्त, जो इस ज्ञापन में सम्मिलित होना चाहते हैं, कृपया प्रात: 11:00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय (कलेक्ट्रेट) पहुँचने का कष्ट करें।

19 जून को मनाया जाएगा श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज का पावन जन्मदिन

जनता यूनियन मथुरा । पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के सुप्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज (तृतीय पीठाधीश्वर) का जन्मदिन 19 जून को ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में पूर्ण धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

इस पावन अवसर पर प्रात:काल से ही मंदिर की आठों झांकियों में ठाकुर जी के भव्य दर्शन होंगे। प्रात: काल ग्वाल दर्शन में ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज सोने के पालने (पलने) में विराजमान होंगे। इसके बाद, सायं काल 6:30 बजे से 7:30 बजे तक भव्य नौका मनोरथ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज नौका (नाव) में विराजमान होकर अपने भक्तों को दिव्य दर्शन देंगे।

अत: समस्त दर्शन-प्रेमी जनता से अनुरोध है कि इस अलौकिक अवसर पर दर्शन कर पुण्य के भागी बनें और पूज्य महाराज श्री के दीर्घायु होने की मंगल कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई प्रेषित करें।

नाविकों एवं गोताखोरों को प्रदान किया गया एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

जनता यूनियन मथुरा । जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मथुरा के तत्वावधान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), गृह मंत्रालय, भारत सरकार की 8वीं वाहिनी, गाजियाबाद द्वारा जनपद मथुरा में सिविल नाविकों एवं गोताखोरों हेतु एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मथुरा के अध्यक्ष/जिलाधिकारी श्री चन्द्र प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण /अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, डिप्टी कलेक्टर चंद्र भूषण प्रताप, प्राजक्ता त्रिपाठी, जिला आपदा विशेषज्ञ पूजा राणा सहित जनपद के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कमांडेंट, 8वीं वाहिनी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, गाजियाबाद के निर्देशन में एनडीआरएफ की विशेषज्ञ टीम द्वारा प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं, सुरक्षित नाव संचालन, जल आपदाओं में खोज एवं बचाव तकनीकों, प्राथमिक उपचार, आपदा के समय सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गई।

प्रशिक्षण का सैद्धांतिक कार्यक्रम डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया, जबकि व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन वृन्दावन स्थित केशीघाट तथा मथुरा के विश्रामघाट एवं बंगालीघाट पर संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ की टीम द्वारा नाव संचालन, जल बचाव तकनीकों, लाइफ जैकेट एवं अन्य बचाव उपकरणों के सुरक्षित उपयोग का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया।

जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जनपद मथुरा यमुना नदी तटवर्ती क्षेत्र होने के कारण जलजनित आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में प्रशिक्षित नाविकों एवं गोताखोरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी नाविकों को सुरक्षा मानकों के अनुरूप नाव/ स्टीमर के संचालन हेतु निर्देशित किया गया।उन्होंने कहा कि अपने फोन में दामिनी व सचेत ऐप डाउनलोड करें। नाविक अपनी नाव में प्राथमिक स्वास्थ्य किट, लाइफ वाय व अन्य सुरक्षा उपकरण रखें। सभी नाविक वैध पहचान पत्र व लाइसेन्स अवश्य रखें। लाइफ जैकेट सभी के लिए अनिवार्य है (नाविक एवं यात्री)। सुरक्षा को लेकर यात्रियों को ब्रीफ करें। नाव का रख-रखाव करें। तैरने वाले उपकरण साथ लें। आपदा संकेत संबंधी उपकरण साथ लें। मौसम संबंधी जानकारी लेते रहें। ज्वलनशील वस्तु को सुरक्षित जगह रखें। अन्य नावों पर नजर रखें। संचार उपकरण साथ लेकर चलें।

कूलर में करंट उतरने से श्रद्धालु की मौत, ठेकेदार फर्म पर मुकदमा दर्ज

जनता यूनियन मथुरा । इस्कॉन मंदिर के समीप नगर निगम द्वारा लगवाए गए पानी के कूलर में करंट आ जाने से मध्य प्रदेश के रहने वाले एक श्रद्धालु युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इस मामले में जलकल विभाग के महाप्रबन्धक की तहरीर पर कार्य में घोर लापरवाही बरतने वाली ठेकेदार फर्म के प्रोपराइटर के खिलाफ वृन्दावन थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम के जलकल विभाग द्वारा इस्कॉन मंदिर के पास श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी वाला पंखा और कूलर लगाने का कार्यादेश एक निजी फर्म को जारी किया गया था। घटना के दिन मध्य प्रदेश से आया एक श्रद्धालु युवक मंदिर के बाहर जूता घर के पास पहुंचा। वहां उसने अपने जूते उतारे और पास ही में लगे कूलर की टंकी में हाथ धोने का प्रयास किया। इसी दौरान कूलर में अचानक उतरे तेज करंट की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकमास मेले में जाली नोट खपाने वाला शातिर गिरफ्तार, गिरोह का नेटवर्क उजागर

जनता यूनियन मथुरा । गोवर्धन में चल रहे अधिकमास मेले की भारी भीड़ का फायदा उठाकर जाली नोट खपाने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के एक शातिर सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से करीब ढाई हजार रुपये के नकली नोट के अलावा 5,610 नकद भारतीय मुद्रा बरामद हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गोवर्धन प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर एवं उपनिरीक्षक मोहनलाल की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बिछुआ कुण्ड के पास नये टिर्री परिक्रमा मार्ग से सौरभ पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम नंगला हीरा, थाना इगलास, जनपद अलीगढ़ को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान सौरभ ने जाली नोटों के नेटवर्क का खुलासा करते हुए बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना अलीगढ़ के हरदुआगंज निवासी मुकेश है, जो नकली नोटों की गड्डियां तैयार करता है। मुकेश यह नोट अपने जीजा अजीत को देता है, जहां से यह खेप योगेश नामक बिचौलिए के पास पहुंचती है। गिरोह असली 10 हजार रुपये के बदले 20 हजार रुपये के नकली नोट देता था। सौरभ ने बताया कि उसने योगेश से 2500 रुपये असली देकर 5000 रुपये के नकली नोट लिए थे। इनमें से कुछ नोट वह स्थानीय दुकानदारों और ठेल-ढकेल वालों के पास चला चुका था, जबकि बाकी नोटों को वह मेले की भीड़ में खपाने की फिराक में था।

एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। मुख्य सप्लायर मुकेश, अजीत और योगेश की गिरफ्तारी के लिए अलीगढ़ में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पुलिस का कहना है कि पूरे गिरोह का भंडाफोड़ कर जाली नोट छापने वाले मुख्य अड्डे तक पहुंचने की कार्रवाई जारी है। साथ ही इस गैंग के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत भी कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन के एक मंदिर में अवैध वसूली का विरोध करने पर दिल्ली के श्रद्धालु परिवार से मारपीट

जनता यूनियन मथुरा । कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक प्रतिष्ठित मंदिर में दर्शन करने आए बाहरी राज्य के श्रद्धालु परिवार के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पीड़ित ने स्थानीय पुलिस चौकी में लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से दरभंगा बिहार के रहने वाले और वर्तमान में दिल्ली में निवास करने वाले प्रार्थी प्रवीण कुमार आज अपने पूरे परिवार यानी पत्नी और मां के साथ वृंदावन दर्शन के लिए आए थे। क्षेत्र में ही स्थित एक नामचीन मंदिर में दर्शन के दौरान वहां तैनात कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर दर्शन के नाम पर अवैध वसूली की जा रही थी। जब श्रद्धालु प्रवीण कुमार ने इस पर आपत्ति जताते हुए विरोध किया, तो वहां मौजूद 7 से 8 लोग भड़क गए।

विकसित भारत सम्मेलन संपन्न, प्रबुद्ध वर्ग ने रखे सारगर्भित विचार

जनता यूनियन मथुरा । भारतीय जनता पार्टी महानगर मथुरा द्वारा गोवर्धन रोड स्थित खंडेलवाल सेवा सदन में आयोजित विकसित भारत सम्मेलन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनों ने सहभागिता करते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रपट पर विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र प्रताप सिंह (गुरुजी), मथुरा-वृंदावन विधायक पंडित श्रीकांत शर्मा, महापौर विनोद अग्रवाल तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र प्रताप सिंह (गुरुजी) ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से संभव है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।मथुरा-वृंदावन विधायक पंडित श्रीकांत शर्मा ने केंद्र सरकार के वर्ष 2014 से 2026 अब तक 12 वर्षो की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही पूर्ण होगा।केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने नगर विकास, स्वच्छता एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को विकसित भारत की मजबूत नींव बताया।भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर राष्ट्रहित में कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष डीपी गोयल एवं संचालन महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी ने किया।इस अवसर पर हिंदूवादी नेता गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी रामकिशन पाठक ललित गौतम कल्पना गर्ग अंकुर गुर्जर हेमंत खंदौली कल्पना गर्ग पूजा चौधरी जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा योगेश आभा यज्ञ दत कौशिक रजत वाल्मीकि आदि मौजूद थे।

नारी शक्ति स्वरूपा संगठन का उद्घाटन

जनता यूनियन मथुरा । विश्राम घाट स्थित राम भवन में भव्य सुंदरकांड पाठ के साथ ÷नारी शक्ति स्वरूपा संगठन÷ का उद्घाटन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि रहीं,छ्क्सी.ओ आशना चौधरी जी व डी.डी.ओ श्रीमती गरिमा खरे जी जिन्होंने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वो हर संभव मदद प्रदान करेंगी और कार्यकारिणी की सदस्यों को बधाई भी दी। इस संघठन की अध्यक्ष ज्योति चतुर्वेदी ने उनका सम्मान किया और सभी उपस्थित अतिथियों का तस्वीर देकर स्वागत किया और संगठन द्वारा महिलाओं के उत्थान की बात की ,महामंत्री गुंजन शर्मा ने कहा इस संगठन का उद्देश्य महिलाओं की मदद करना है जिसके लिए संगठन द्वारा हर महीने एक सहायता कैंप लगेगा जिसमें समस्याओं की सुनवाई की जाएगी,उपाध्यक्ष राधिका रसिक दीदी ने कहा कि वो पूर्ण रूप से बच्चियों के लिए समर्पित हैं और इस संगठन के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करेंगी। कार्यक्रम में अन्य गणमान्य उपस्थित रहे जिनमें भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव जी, देवेंद्र शर्मा जी, पंडित रामगोपाल शर्मा जी अध्यक्ष परशुराम शोभायात्रा समिति रजिस्टर्ड व बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी ने संकल्प लिया जिनमें गंगारानी चतुर्वेदी, आरती चतुर्वेदी, रश्मि चतुर्वेदी,ममता,पिंकी उपाध्याय,आशा, शालू कविता,रीना,सीमा आदि उपस्थित रहीं। द्ध

सड़क निर्माण की कछुआ चाल से परेशान हैं नागरिक और व्यापारी

मथुरा में कोतवाली रोड़ पर व्यापार हो गया है ठप्प

मथुरा-(दिनेश आचार्य) मथरा में जगह-जगह सड़क निर्माण के नाम पर कुछ समय पूर्व ही बनी अच्छी-भली सड़कों को भी तोड दिया है, किन्तु सड़क निर्माण का कार्य इतना अधिक धीमे चल रहा है कि कुछआ भी शरमा जाये । होलीगेट से भरतपुर गेट, मातागली बिहारीपुरा, बनखण्डी आदि प्रमुख क्षेत्रों की सड़क को तोड़ तो दिया गया है किन्तु कई सप्ताह बीत जाने के बाद अभी तक सड़क निर्माण नहीं हो पाया है ।

कोतवाली रोड़ व्यवसायी समिति के महामंत्री विकास शर्मा प्रेस वालों ने बताया कि प्रशासन द्वारा कोतवाली रोड़ को तोड़ दिया गया है, जिसके कारण सड़क पर भीषण जाम लग जाम लग जाता है । वाहन फिसल जाते हैं, लोग चोटिल हो रहे हैं । एडवोकेट जय शिखर शर्मा बिट्टू भैया ने बताया कि सड़क टूटने के कारण कोतवाली रोड़ का व्यापार पूरी तरह से ठप्प पड़ गया है । धूल उड़ने कारण स्थानीय निवासियों एवं राहगीरों को अत्यंत कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है । देवेन्द्र, मनोज अग्रवाल, गौरव, मनोज गुप्ता, अजय, गोपाल, अरविन्द शर्मा, शशिराही, दीपक, सहित सभी व्यापारियों ने मुख्यमंत्री महोदय से मांग की है कि कोतवाली रोड़ (होली गेट से भरतपुर गेट) सहित समस्त सड़कों को पूरी तरह से अतिशीघ्र बनवाने के आदेश देने का कष्ट करें ।

योगीजी! श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर के चढ़ावे में भी हो रहा घपला

जनता यूनियन मथुरा । अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में हुए गोलमाल सामने आने के बाद अब मथुरा के प्रसिद्ध श्रीकृष्ण जन्मस्थान में भी चढ़ावे में हुई करोड़ों रुपये की गड़बड़ी के आरोप श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले के पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने जन्मस्थान प्रबंधन पर लगाए हैं। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को खून से पत्र लिखकर मांग की कि मंदिर के चढ़ावे और दान की सीबीआई से जांच कराई जाए। मंदिर के प्रबंधन का कार्य स्वयं सीएम योगी खुद देखें। यहां भी दान और सोने-चांदी के आभूषणों का सही हिसाब नहीं रखा जा रहा है। मंदिर में आने वाले दान का सही उपयोग नहीं हो रहा है। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक किसी सरकारी एजेंसी या मंदिर प्रशासन की ओर से पुष्टि नहीं की गई है।

उन्होंने पत्रकारों के समक्ष खून से लिखा पत्र दिखाते हुए कहा कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। पत्र में कहा कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर पर बनने वाले फूल बंगला और लगाए जाने वाले 56 भोग में 70 प्रतिशत तक कमीशन लिया जाता है। उन्होंने कहा कि मंदिर से जुड़े लोगों की संपत्तियों की जांच कराई जाए। मंदिर के चढ़ावे के रुपए से अस्पताल और स्कूल बनाए जाने चाहिए, लेकिन कर्मचारियों ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में संपत्तियां खरीद ली हैं। फलहारी ने कहा कि यदि इस घोटाले की सीबीआई जांच नहीं हुई तो वह हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह अयोध्या के राम मंदिर में सोने चांदी के आभूषणों का हिसाब नहीं रखा गया उसी तरह मथुरा में भी हिसाब नहीं रखा जाता है।

बच्चे विश्व पटल पर स्थापित करेंगे नया कीर्तिमान : आचार्य डॉ. खेमचन्द यदुवंशी शास्त्री

जनता यूनियन मथुरा । जिस प्रकार पं. नथाराम गौड़ व काका हाथरसी ने अपने समय में सङ्गीत कला व संस्कृति के माध्यम से विश्वपटल पर स्थापित किया था उसी प्रकार अब हाथरस के बच्चे भी वैश्विक स्तर पर एक उच्च स्तरीय नया इतिहास रचेंगे।

उक्त वक्तव्य के द्वारा उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग) लखनऊ द्वारा हाथरस में लोकविधाओं के संरक्षण हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त लोकनाट्यविद साहित्यकार आचार्य डॉ. खेमचन्द यदुवंशी शास्त्री ने प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागी बच्चों का उत्साह वर्धन कर उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु वैश्विक स्तर पर कीर्तिमान स्थापित करने के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।

इससे पूर्व अतिथियों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करते हुए प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागी 39 बालक-बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर शुभाशीर्वाद प्रदान किया।

प्रशिक्षण में इन बच्चों ने सीखे भारतीय लोकसंगीत के गुण: नंदिनी गौड़, पायल गौड़, पुनीत उपाध्याय, प्रद्युम्न यादव, करिश्मा कुशवाह, दिव्यांशी शर्मा, उर्वशी शर्मा, अयान अली, इशिता शर्मा, भव्य शर्मा, सत्यप्रकाश, मोहित, प्रदीप, गुड्डन, ऋचा उपाध्याय, मोहिनी भास्कर, मनीषा वार्ष्णेय, ऋतुराज यादव, सागर उपाध्याय, सक्षम उपाध्याय, प्रिंसी चौधरी, आर्वी गुप्ता, महक कश्यप, परी, वरुण कुमार, बिलाल अहमद, प्रिंस कुमार, जीशान अहमद, अभय कुमार, ध्रुव कुमार, फ़ैज़ मलिक, असद खान, रितिक कुमार, आकाश सिंह, जतिन कुमार, जया कुमारी, चंचल कुमारी आदि।

वांटेड सटोरिए पुलिस लिस्ट से डिलीट नहीं हुए : एडीजी

अनुपम कुलश्रेष्ठ ने कहा- मैंने खुद केस स्टडी की, कोई भी बक्शा नहीं जाएगा

झाँसी जयूसं। कानपुर जोन की अपर पुलिस महानिदेशक बनने के बाद सीनियर आईपीएस अनुपम कुलश्रेष्ठ बुधवार को पहली बार झांसी पहुंची। - कानपुर जोन की अपर पुलिस महानिदेशक बनने के बाद सीनियआईपीएस अनुपम कुलश्रेष्ठ बुधवार को पहली बार झांसी पहुंची। यहां पर पुलिस अफसरों, व्यापारियों और जनप्रतिधियों से मुलाकत कर जिले की स्थिति पर बातचीत की। उन्होंने कहा- झांसी में सट्?टे पर जो कार्रवाई हुई है। उसका मैंने खुद संज्ञान लिया है और केस की पूरी स्टडी कर ली है। जो लोग वांटेट है, वो हमारी लिस्ट से डिलीट नहीं हुए हैं। उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इसमें जो भी लोग शामिल है, किसी को बक्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा- झांसी में सट्टा, साइबर क्राइम खासकर कृप्टो करंसी पर जो कार्रवाई हुई है, वो बहुत सराहनीय है। इसलिए मैंने एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति और सहायक पुलिस अधीक्षक अरीबा नोमान को प्रशस्त्रि पत्र दिया है।

एडीजे ने कहा- एसएसपी और उनके अधीन अफसरों व एसएचओ के साथ मीटिंग की है। मैंने लाइन ऑर्डर और क्राइम कंट्रोल को लेकर निर्देश दिए हैं। अब अपराधियों के खिलाफ शिकंजा और टाइट किया जाएगा। यहां जो भी क्राइम हो रहा है, उसमें कोई भी क्रिमिनल छूट न पाए। कड़ी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निर्देश दिए है कि जो भी शिकायतकर्ता है और न्याय से वंचित है। अगर वो हमारे पास आए तो उसकी बात को संवेदनपूर्ण ढंग से सुने और न्यायपूर्ण ढंग से समस्या का समाधान करें। ताकि उसे न्याय मिले और वो संतुष्ट होकर घर जा सके। उन्होंने कहा- बंगरा चौकी में आगजनी की घटना को लेकर एसएसपी अपने स्तर पर जांच करा रहे हैं। उसके बाद ही कुछ बता पाएंगे।

10 से 12 फीट का न हो ताजिया

एडीजे ने कहा- मुहर्रम को लेकर हम लोग पहले से ही काम कर रहे थे। सीएम के जो निर्देश है, उसके अनुसार, कार्रवाई की जा रही है। ताजिया का हाइट 10 से 12 फुट का न हो। इसको बनाने वाले कारीगारों से पुलिस संवाद कर चुकी है। निर्धारित हाइट से ज्यादा न बढ़े। निर्धारित डेसीबल पर डीजे बजे। अस्त शस्त्र का प्रदर्शन न हो। यह सब ध्यान रखा जाएगा।

व्यापारियों ने क्रॉस बॉर्डर को लेकर समस्या बताई

उन्होंने कहा- व्यापार मंडल के व्यापारी के साथ बैठक की। उनकी कुछ समस्या क्रॉस बॉर्डर को लेकर है। ट्रांसपोर्टर को प्रोब्लम है, जब वे बॉर्डर क्रॉस करके जाते हैं तो उनको उत्तर प्रदेश के बाहर दूसरे राज्यों में समस्या आती है। सर्राफा व्यापारियों ने क्रॉस बॉर्डर को लेकर कुछ समस्याएं बताई। एडीजी ने जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। एडीजी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने साइबर क्राइम और सट्?टा कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने पुलिस के आचरण के संबंध में कुछ टॉपिक बताए हैं। उनको नोट कर बेहतर करने की कोशिश की जा रही है।

मंडल रेल चिकित्सालय में टीबी मुक्त भारत अभियान, जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

झाँसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा के नेतृत्व में रेलवे चिकित्सालय, झांसी के ऑडिटोरियम में च्टीबी मुक्त भारत अभियान के100 दिवसीय विशेष अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके प्रभावी नियंत्रण हेतु जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य टीबी के छिपे हुए मामलों की पहचान करना, टीबी से होने वाली मृत्यु दर को कम करना तथा नए संक्रमणों की रोकथाम के प्रयासों को गति प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है तथा भारत को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय संकल्प को साकार किया जा सकता है। संगोष्ठी में फिजिशियन डॉ. गौरव श्रीवास्तव ने टीबी रोग के लक्षणों, जांच एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी, शाम के समय हल्का बुखार, वजन में कमी अथवा लगातार कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर टीबी की जांच करानी चाहिए। उन्होंने टीबी की शीघ्र पहचान एवं नियमित उपचार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि टीबी एक संक्रामक रोग है, जिसकी रोकथाम के लिए मास्क का प्रयोग, स्वच्छता का पालन तथा चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों एवं लाभार्थियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें और समाज में भी टीबी के संबंध में सही जानकारी प्रसारित करें, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

कार्यक्रम में वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक नवीन श्रीवास्तव, श्रीमती गीता चौधरी, श्रीमती सलमा, श्रीमती आई. जेड. खान, श्रीमती अनीता पास्कल, श्रीमती दिव्या, श्रीमती जेंसी मैथ्यू, श्रीमती दिव्या ज्योति सहित समस्त पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में सहायक नर्सिंग अधिकारी श्रीमती सुनीता अहमद ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

महाराणा प्रताप व महाराजा छत्रसाल जयंती समारोह में शिक्षा , संगठन पर दिया गया बल

झांसी जयूसं। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा श्री रघुराज सिंह इंटर कॉलेज,में महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह रहे तथा अध्यक्षता नगर अध्यक्ष विक्रम सिंह कछवाह ने की। मुख्य अतिथि कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल का जीवन त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज को संगठित एवं जागरूक बनाने का आह्वान किया। संगम सिंह, वीर सिंह सेंगर एवं धर्मवीर सिंह चौहान ने अपने संबोधन में समाज की एकता और संगठन की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। अध्यक्षीय उद्बोधन में नगर अध्यक्ष विक्रम सिंह कछवाह ने कहा कि शिक्षित एवं संगठित समाज ही सम्मान और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने युवाओं से संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में भूपेन्द्र सिंह परिहार, धर्मवीर सिंह चौहान, प्रमोद सिंह भदौरिया, वीरपाल सिंह, गुलाब सिंह चौहान, संगम सिंह, रिपुदमन सिंह परिहार, विनय प्रताप सिंह राजावत , देवांश सिंह एडवोकेट, माधवेन्द्र सिंह परिहार, राज सिंह शेखावत, मुकेश ठाकुर, मनमोहन भदौरिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगम सिंह नेतथा अंत में शरद प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

रानी के बलिदान दिवस पर ज्योति यात्रा ग्वालियर रवाना

झाँसी जयूसं। महारानी लक्ष्मीबाई की बलिदान की पूर्ण संध्या पर राष्ट्रभक्त संगठन एवं हिंदू समन्वय मंच के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अरजरिया के निर्देशन में सर्वेश पटेल अर्पित शर्मा दिनेश कुशवाहा के नेतृत्व में रानी झांसी बलिदान ज्योति यात्रा प्रतिवर्ष की भांति लगातार बीसवें वर्ष झांसी किले के अंदर से प्रारंभ होकर रानी लक्ष्मीबाई पार्क एलाइट चौराहा ,सीपरी बाजार, आवास विकास ,बिहारी चौराहा होकर ग्वालियर के लिए प्रस्थान हुई जहां दतिया डबरा में लोगों के द्वारा स्वागत किया गया ग्वालियर में भी भव्य स्वागत हुआ फिर ज्योति वहां पर ग्वालियर में जयभान सिंह पवैया ने ज्योति को रिसीव किया और तीन दिवसीय मेला का शुभारंभ हुआ जिसमें रानी की अस्त्र शस्त्रों का प्रदर्शन होता है और तीन दिवसीय मेला का शुभारंभ होता है वहीं रानी के साथ अंतिम युद्ध लड़ने वाले उनके गुरु बाबा गंगादास की स्मृति में दिनांक 11 जून से 17 जून तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होता है इस अवसर पर गुड्डू शर्मा, दिलीप तिवारी, उपाध्याय , दीपक वर्मा ,साहिल मिश्रा ,प्रियांशु ,अंकित ,दीप, राघवेंद्र, प्रतीक ,विशाल, शैवाल, राजकुमार, अंकुश ,भारत कुशवाहा, दीपेंद्र, गिरिराज, आकाश, गोलू, आशीष ,अमन ,अमित, संदीप सहित संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वेतन की मांग को लेकर कर्मचारियों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन

झांसी जयूसं। आज एक निजी कंपनी के माध्यम से रेलवे में ऑपरेटर एवं हेल्पर के पद पर कार्य कर रहे करीब डेढ़ सौ कर्मचारियों ने कई महीनों से वेतन न मिलने से नाराज होकर डी आर एम ऑफिस पर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। संविदा कर्मचारियों का कहना है कि विगत 8 जून को उन्होंने लंबित वेतन दिलाए जाने की मांग को लेकर डी आर एम ऑफिस पहुंकर प्रदर्शन किया था । पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के साथ ए डी आर एम नंदी शुक्ला एवं टी आर डी ऑपरेटिंग सतवीर सिंह से वार्ता हुई थी । जिसमें तीन दिन में वेतन दिलाने का आश्वासन दिया गया था परंतु एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी वेतन न मिलने पर पुनः प्रदर्शन करने पर मजबूर है। रेलवे अधिकारियों द्वारा आज फिर कार्यवाही का आश्वासन दिया । कर्मचारियों के समर्थन में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, मुकेश अग्रवाल, अनिल रिछारिया, जीतू राजा श्रीवास , दिनेश कुमार वर्मा, शाहरुख खान आदि मौजूद रहें।

बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर वीरांगनाओं का हुआ सम्मान, महिला संगोष्ठी सम्पन्न

झाँसी जयूसं। महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस समारोह महासमिति के तत्वावधान में रानीमहल स्थित श्री गोपीनाथ जी के मंदिर में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर एम.एल.सी श्रीमती रमा निरंजन के मुख्य आतिथ्य एवं नगर निगम की वरिष्ठ पार्षद श्रीमती सुशीला दुबे व समाज सेविका श्रीमती सुशीला स्वामी के विशिष्ट आतिथ्य एवं महासमिति के अध्यक्ष रवीश त्रिपाठी की अध्यक्षता में वीरांगनाओं का सम्मान एवं महिला संगोष्ठी हुई।

प्रारम्भ में झाँसी की रानी की प्रतिमा पर अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।अतिथियों का स्वागत विष्णु गुप्ता, मनोज पाठक, अखिलेश पाण्डेय, राजकुमार अमरया आदि ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। तत्पश्चात संगीता शर्मा ने झाँसी की रानी की कविता से संगोष्ठी का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि श्रीमती रमा निरंजन, ने कहा कि आज हम सबको वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के शौर्य, पराक्रम से प्रेरणा लेना चाहिए। महारानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में झाँसी के नाम को गौरवान्वित किया है। उन्होंने उ.प्र. सरकार से मांग करते हुए कहा कि 18 जून को झाँसी रानी के बलिदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाये।अध्यक्षता कर रहे रवीश त्रिपाठी ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई ने देश को एक दिशा दी है।

सुशीला दुबे ने कहा कि वर्तमान परिवेश में हमारी भूमिका ऐसी हो कि पूरा देश आगे बढ़े तभी हमारा देश तरक्की करेगा। सभी को अपने व्यक्तित्व विकास का पूरा मौका मिलना चाहिए हमें बेटा-बेटी की मानसिकता से दूर रहना चाहिए। श्रीमती संध्या त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक नारी बालिका में रानी की वीरता, शौर्य, साहस, तप, बलिदान को सशक्त भावना सुनिश्चित है। संगोष्ठी में समाज में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाली वीरांगनाओं में श्रीमती सुनीता पुरी गोस्वामी पार्षद,समता त्रिपाठी,प्रगति नायक,अंजू द्विवेदी, श्रीमती ममता साहू, सावित्री नामदेव, मीना अमरया, कुसुम व्यास,सुहाना शर्मा ,ललिता अरमौर, साजिया खान ,मधु अग्रवाल, गीता सेन, नीलम गुप्ता, रिचा ताम्रकार, रितु चौरसिया, पिंकी अग्रवाल, सोनिया साहू, सरिता तिवारी , नन्दा यादव, सुधा गुप्ता को मुख्य अतिथि रमा निरंजन एवं रवीश त्रिपाठी व श्रीमती सुशीला दुबे ने पगड़ी पहनाकर एवं शॉल उड़ाकर सम्मानित किया। संगोष्ठी में चन्द्रकला उपाध्याय, अर्चना दुबे, श्रीमती रचना अग्रवाल, श्रीमती पूनम गुप्ता, श्रीमती दीप्ती वर्मा, श्रीमती प्रेमा मिश्रा, नीलम रायकवार, सीमा पाठक, नमिता अवस्थी आदि ने विचार व्यक्त करते हुए वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और बलिदान से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। संगोष्ठी का संचालन संजीव त्रिपाठी ने किया। अन्त में आभार मार्तण्ड स्वामी ने व्यक्त किया।

मंडल के खैरार-अकौना खंड में नव विद्युतीकृत व दोहरीकृत रेल लाइन पर 25 केवी एसी कर्षण प्रणाली का निरीक्षण

झाँसी जयूसं। उत्तर मध्य रेलवे का झांसी मंडल यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा रेल परिचालन को अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए आधारभूत संरचना के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में खैरारङ्कअकौना खंड में विद्युतीकृत 18.5 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन पर 25 केवी एसी विद्युत कर्षण प्रणाली का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस नव विद्युतीकृत खंड का निरीक्षण उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर जे. सी. एस. बोरा द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान परख निरीक्षण यान एवं टावर वैगन के माध्यम से विद्युत कर्षण प्रणाली से संबंधित विभिन्न अवसंरचनाओं एवं उपकरणों का गहन परीक्षण किया गया। इसमें समपार फाटक, स्विचिंग प्वाइंट, ओएचई खंभे, ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायरिंग तथा अन्य आवश्यक विद्युत प्रतिष्ठानों की बारीकी से जांच की गई। साथ ही सभी उपकरणों की कार्यक्षमता का परीक्षण करते हुए उनकी प्रभावशीलता का आंकलन किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर जे. सी. एस. बोरा ने खैरार स्टेशन तथा इचौली स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशनों पर उपलब्ध रेल अवसंरचना, विद्युत प्रतिष्ठानों तथा परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके अतिरिक्त खंड में निर्मित रोड ओवर ब्रिज का भी निरीक्षण किया गया तथा उसकी संरचनात्मक एवं परिचालन सुरक्षा से संबंधित पहलुओं की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक -इन्फ्रा पी. पी. शर्मा, मुख्य बिजली इं.निर्माण अनिल कुमार, उप मुख्य बिजली इं.निर्माण कुलदीप कुमार, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजी./टीआरडीसतबीर सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य अशोक प्रिय गौतम, वरिष्ठ मंडल अभियंता/पूर्वआयुष श्रीवास्तव, निर्माण संगठन के अन्य अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी, निरीक्षक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

प्री-प्लेसमेंट करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन, छात्रों को दिए गए रोजगार एवं व्यक्तित्व विकास के गुर

चिरगांव (झांसी)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त महाविद्यालय, चिरगांव में प्री-प्लेसमेंट करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसरों, करियर चयन एवं व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय झांसी से बिलाल अहमद, द उदयती फाउंडेशन के क्षेत्र सहायक, आरंभ कोचिंग क्लासिस के प्रबंधक राघवेन्द्र सिंह, डॉ. प्रीति जैन (प्रधानाचार्य, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त विद्यापीठ इंटर कॉलेज), खेमचन्द्र वरिष्ठ सहायक सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

अपने संबोधन में बिलाल अहमद ने सेवायोजन कार्यालय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कार्यालय बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा कंपनियों को योग्य अभ्यर्थी खोजने में सहायता करता है। उन्होंने कहा कि सेवायोजन कार्यालय नौकरी चाहने वालों और रोजगार प्रदाताओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। कार्यालय में युवाओं का पंजीकरण किया जाता है तथा समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन कर विभिन्न कंपनियों द्वारा सीधे चयन की प्रक्रिया संचालित की जाती है।

राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद रोजगार की तलाश जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। इस दौरान लिए गए निर्णय भविष्य की दिशा तय करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था विद्यार्थियों की योग्यता एवं शैक्षिक स्तर के अनुरूप रोजगार मेलों का आयोजन कर उन्हें विभिन्न कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य करती है।

डॉ. प्रीति जैन ने व्यक्तित्व विकास को सफल रोजगार की महत्वपूर्ण कुंजी बताते हुए कहा कि व्यक्तित्व विकास केवल अच्छे वस्त्र पहनने या प्रभावशाली बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संचार कौशल, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का विकास भी शामिल है, जो कार्यस्थल पर सफलता दिलाने में सहायक होता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने कहा कि सही करियर का चयन करने के लिए स्वयं की क्षमताओं, रुचियों एवं मूल्यों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रोजगार प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री पर्याप्त नहीं होती, बल्कि व्यावहारिक कौशल, ज्ञान एवं सकारात्मक दृष्टिकोण भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं, जो व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाते हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक संजय कुमार गौतम ने किया, जबकि शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हरीश कुमार ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चिरगाँव थाने में पीस कमेटी की बैठक संपन्न, शांति और भाईचारे के साथ मुहर्रम मनाने की अपील

चिरगाँव (झाँसी)। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को चिरगाँव थाना परिसर में पीस कमेटी (शांति समिति) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा दोनों समुदायों के प्रबुद्ध लोगों ने सहभागिता कर आपसी भाईचारे और शांति व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष राहुल सिंह राठौर ने शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए कहा कि मुहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजियों की ऊँचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, जिससे विद्युत तारों एवं अन्य अवरोधों से किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने जुलूस के दौरान डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज निर्यंत्रित रखने के निर्देश भी दिए तथा सभी नागरिकों से शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

वरिष्ठ उपनिरीक्षक आनंद कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करें। उन्होंने लोगों से भड़काऊ एवं अराजक तत्वों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने का आग्रह किया।

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि चिरगाँव सदैव गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी सौहार्द और भाईचारे की मिसाल रहा है। सभी नागरिकों को इस गौरवशाली परंपरा को कायम रखते हुए मुहर्रम पर्व को पूरी श्रद्धा, शांति और आपसी सद्भाव के साथ मनाना चाहिए।

बैठक के अंत में उपस्थित नागरिकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए स्थानीय जनता का पूर्ण सहयोग रहेगा।इस मौके पर महेंद्र उर्फ बिंदी पार्षद,पृथ्वीपाल राजपूत, संदीप रेजा,पत्रकार राजेन्द्र जैन, पत्रकार नासिर खान, पत्रकार जगदीश शिवहरे,पत्रकार बृजेन्द्र कुशवाहा सहित पुलिस स्टाफ एंव क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

स्वाद के साथ सेहत के लिए फायदेमंद है इलायची

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आपके किचन में रखी हुई छोटी सी इलायची हमारे शरीर की अनगिनत बीमारियों में फायदा करती है, अमूमन लोग हरी इलायची का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए कई तरह की डिश में किया जाता है।

■ ल्यूकोरिया की समस्या में राहत

फिर वह चाहे किसी तरह का मीठा बनाना हो या फिर कोई सब्जी की ग्रेवी या कुछ अलग सा आइटम बन रहा हो। इसकी महक और स्वाद हर चीज में एक अलग ही स्वाद और सुगंध जोड़ देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके साथ ही यह आपकी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इस हरी इलायची का सेवन करने से पेट में दर्द, गैस, जलन, खट्टी डकार आदि इन तरह की चीजों से राहत दिलाने में मदद करेगी।

इसके अलावा जिन लोगों को कब्ज की समस्या होती है और सुबह उठकर पेट साफ नहीं होता है

लोगों को नींद ना आने की समस्या है उनकी ये परेशानी दूर हो जाएगी, इसके साथ ही ये हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में भी मदद करती है। किसी के मुंह में छाले हैं तो इसको पीसकर इसके पाउडर को छालों में लगाने से आराम मिलेगा। हिचकी को बंद करने में भी हरी इलायची का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसके साथ ही इसका सेवन हमारी स्किन और बालों के लिए भी बेहद लाभदायी होता है, ज्वाइंट पेन, वेट लॉस जैसी समस्याओं में भी हरी इलायची का सेवन बेहद फायदेमंद हो सकता है।

उनके लिए भी सुबह खाली पेट इलायची का सेवन लाभदायी होता है।

जिन महिलाओं को ल्यूकोरिया की समस्या है उनके लिए 2 इलायची को चबाकर खाकर पानी पीने से आराम मिल जाएगा।

वहीं अगर इसी इलायची को रात में सोने से पहले खाएंगे तो जिन

पेट की बीमारियों के लिए अजवाइन एक अच्छी दवा

नई दिल्ली। पेट में कब्जी रहना एक बहुत बड़ी समस्या है। अगर आपका पेट साफ नहीं होता ठीक से चींद नहीं आती है। इसके लिए अजवाइन एक बहुत अच्छी दवा है। अगर घर में कच्चा अजवाइन है तो इसको आधा चम्मच ले और इसमें केवल गुड़ मिला ले, गुड़ और अजवैन दोनों मिलाके चबाके खाओ और पीछे से पानी पियो, ये काम आपको रात को सोते समय करना है, तो जब आप सुबह उठोगे तो आपका एक ही बार में पेट साफ हो जाएगा। अगर अजवाइन और गुड़ को रात में लेंगे तो आपको कब्जियत कभी नहीं होगी। ये पेट साफ करने की एक अच्छी दवा है। पेट साफ करने के लिए त्रिफला चूर्ण भी ले सकते है। त्रिफला चूर्ण आंवला, हरड और बेहड़ा से बनता है। रात को सोते समय एक चम्मच त्रिफला चूर्ण ले। इसे आप दूध से नहीं तो गर्म पानी से भी ले सकते है। ये भी पेट साफ करती है। तीसरी दवा है अनार का जूस, अनार का जूस भी पेट साफ करता है। अनार के दाने अगर आप चबा चबा के खाओगे तो ये पेट साफ करते है। अमरूद भी पेट साफ करने में बहुत उपयोगी है, आप इसे खाओ इससे पेट साफ हो जाता है। खीरा और टमाटर जो हम सभी के घर में आराम से मिल जाता है इन्हें खाओ वह भी पेट साफ करते है। रात को दूध में घी मिला के पिओ उससे सुबह पेट बिलकुल साफ हो जाएगा। और सबसे आसान और सस्ती दवा पेट साफ करने की के खाने को चबा चबा के खाओगे तो पेट तुरंत साफ हो जाएगा जितना खाना खाओ चबा कर खाओ। एक और मुफ्त का इलाज है पेट साफ करने का पानी को हमेशा घुट घुट करके पियो क्योंकि घुट घुट करके पानी पिने से लार पानी के साथ मिलके अंदर जायगी और जितनी ज्यादा लार आपके पेट में जाएगी पेट उतना ही साफ होगा।

गर्भावस्था के दौरान तनाव का प्लेसेंटा से भी जुड़ाव

■ शोध ने नर और मादा भ्रूणों के बीच महत्वपूर्ण अंतरों का भी किया खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं की एक टीम ने अपने शोध में पाया है कि मातृ मानसिक स्वास्थ्य पर प्लेसेंटा का भी अप्रत्याशित प्रभाव पड़ता है। ये नई खोज गर्भावस्था के दौरान होने वाली चिंता और अवसाद के कारण को समझने में मदद कर सकता है। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के मेटर रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने प्लेसेंटा में 13 अलग-अलग ग्लूकोकॉर्टिकॉइड रिसेप्टर आइसोफॉर्म की पहचान की है, जिसमें से एक विशेष प्रकार गर्भावस्था के दौरान चिंता और अवसाद को दर्शाता है। ब्रेन मेडिसिन में प्रकाशित जीनोमिक प्रेस साक्षात्कार में प्रोफेसर विकी क्लिफ्टन ने कहा कि हमने शोध में पाया कि प्लेसेंटा में ग्लूकोकॉर्टिकॉइड रिसेप्टर के 13 अलग-अलग आइसोफॉर्म होते हैं, जिनमें से एक आइसोफॉर्म गर्भावस्था के दौरान तनाव, चिंता और अवसाद का कारण बनता है। ये हाई कॉर्टिसोल स्तर की उपस्थिति में प्लेसेंटा में एक इन्फ्लेमेटरी रिस्पॉन्स को सक्रिय करता है। शोध गर्भावस्था के दौरान तनाव प्रतिक्रियाओं को पारंपरिक समझ को चुनौती देता है। अधिकांश ग्लूकोकॉर्टिकॉइड रिसेप्टर्स सूजन को दबाने का काम करते हैं तो वहीं यह नया वेरिएंट सूजन को बढ़ाने का काम करता है। ये गर्भवती महिलाओं में तनाव और सूजन के बीच के संबंध को दर्शाता है। प्रोफेसर क्लिफ्टन के शोध ने नर और मादा भ्रूणों के बीच महत्वपूर्ण अंतरों का भी खुलासा किया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम प्रसूति : ज्ञान में भ्रूण के लिंग पर विचार नहीं करते हैं। मैं समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं की देखभाल और गर्भावस्था की जटिलताओं के लिए लिंग-विशिष्ट चिकित्सा देखना चाहूंगी। शोध से पता चलता है कि भ्रूण के लिंग के आधार पर मां का शरीर अलग तरीके से काम कर सकता है। इस शोध से गर्भवती की देखरेख को लेकर नई संभावनाएं पैदा होती हैं। अब टीम का लक्ष्य यह पता लगाना है कि प्लेसेंटल इन्फ्लेमेशन किस तरह से मां के मानसिक स्थिति पर असर डाल सकता है। जिससे गर्भावस्था के दौरान चिंता और अवसाद के लक्षण बढ़ सकते हैं। ये निष्कर्ष प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति दृष्टिकोण में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं।

दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड में अमृता राव ने एक अलग पहचान बनाई

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन इस दौरान कुछ बड़े ऑफर भी ठुकराए। इनमें सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में भी शामिल थीं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई। अमृता राव का जन्म 7 जून 1981 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से की लेकिन मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बढ़ती रुचि के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी। उन्होंने करियर की शुरुआत विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो से की थी।

साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इस के अलावा, यह 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' में भी नजर आईं। हालांकि, उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' रही, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। फिल्म हिट रही और अमृता रातोंरात दर्शकों की पसंदीदा अभिनेत्री बन गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें आईफा स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला।

इसके बाद अमृता राव ने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'चाहे लाइक हो तो ऐसी', 'प्यारे मोहन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में काम किया। खास तौर पर 2006 में रिलीज हुई 'विवाह' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। फिल्म में उन्होंने पूनम का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनकी सादगी सीधे लोगों के दिलों को छू गई। इस फिल्म के बाद उन्हें देश-विदेश से शादी के ऑफर्स तक मिलने लगे थे।

अमृता राव हमेशा अपनी शर्तों पर काम करने के लिए जानी गईं। यही वजह रही कि उन्होंने कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स को भी ठुकरा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ऐ हसीनों' का ऑफर पहले अमृता को मिला था, लेकिन फिल्म में किसिंग सीन होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया। बाद में यह फिल्म दूसरी अभिनेत्री के पास चली गई और इस तरह यशराज फिल्म्स के साथ एक बड़े कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने का मौका भी उन्होंने छोड़ दिया।

इतना ही नहीं, अमृता ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में भी काम करने से इनकार कर दिया था। कहा जाता है कि उन्हें फिल्म में सलमान खान की बहन का किरदार ऑफर किया गया था लेकिन उन्होंने यह भूमिका करने से मना कर दिया। इसके अलावा 'नील एन निक्की' जैसी फिल्म भी उन्होंने बोल्ड सीन्स की वजह से नहीं की।

उनके करियर में काफी उतार-चढ़ाव भी आए। कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने शानदार काम किया।

राजकुमार हिरानी के साथ काम करना सौभाग्य की बात है : अरशद वारसी

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी और फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की जोड़ी ने मिलकर कई हिट फिल्में दी हैं। अब एक बार फिर दोनों एक नए प्रोजेक्ट के जरिए साथ नजर आने वाले हैं। राजकुमार हिरानी डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। इसमें अरशद वारसी अहम भूमिका में हैं। इस बीच, उन्होंने कहा कि हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे राजकुमार हिरानी जैसे निर्देशक के साथ काम करने का मौका मिले। उनकी फिल्मों और कहानियों को अपनी अलग पहचान है, इसलिए उनके साथ काम करना किसी उपलब्धि से कम नहीं माना जाता। मेरा सौभाग्य है कि मुझे अब तक दो बार हिरानी के साथ काम करने का मौका मिला और अब मैं तीसरी बार भी उनके साथ काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए खुशी और गर्व की बात है कि हिरानी लगातार मुझ पर भरोसा जताते रहे हैं।

अरशद ने कहा कि राजकुमार हिरानी ने मुझे हर बार अलग तरह के किरदार निभाने का मौका दिया है। एक अभिनेता के लिए सबसे बड़ी खुशी यही होती है कि उसे एक जैसे किरदारों तक सीमित न रखा जाए। वह हमेशा कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करने के लिए प्रेरित करते हैं। मुझे अब तक उनके हर नए प्रोजेक्ट में अपनी अभिनय क्षमता का नया पक्ष दिखाने का अवसर मिलता रहा है। मुझे ऐसे किरदार निभाने में बेहद मजा आता है और मैं आगे भी हिरानी के साथ कई और प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहता हूं।

अरशद वारसी ने आगे कहा कि राजकुमार हिरानी ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने मेरे करियर के अहम पड़ावों पर मेरा साथ दिया। जब मेरे करियर को नई दिशा की जरूरत थी, तब उन्होंने मुझे कई शानदार अवसर दिए और कई मौकों पर मेरा समर्थन भी किया।

प्राणायाम से रहेगा स्वस्थ और चुस्त दुरुस्त शरीर

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आजकल की भागती-दौड़ती जिंदगी में खुद को सेहतमंद रखना किसी चुनौती से कम नहीं। भारतीय योग पद्धति के पास तन-मन को स्वस्थ रखने के सभी गुण हैं। योगासन और प्राणायाम इसी श्रेणी में आते हैं। चार अति लोकप्रिय प्राणायाम हैं जिनका अभ्यास रोज किया तो फर्क जरूर महसूस करेंगे।

नाड़ी शोधन, जिसे अनुलोम-विलोम प्राणायाम भी कहते हैं, आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और चिंता को कम करने में मददगार है। तरीका बेहद सरल है। इसके लिए आप शांत होकर पद्मासन में बैठें और पीठ को सीधा रखें। इसके बाद आंखें बंद कर लें और बायीं नासिका से श्वास लें, दाहिनी नासिका से श्वास छोड़ें, फिर दाहिनी से सांस लें और बाईं से छोड़ें। इस प्रक्रिया को कई बार दोहराएं।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि रोजाना 5-10 मिनट अनुलोम-विलोम करने से रक्तचाप कंट्रोल होता है, साथ ही चेहरे पर निखार आता है। अगर आपको नींद अच्छे से नहीं आती है, शरीर में थकान बनी रहती है और दिमाग भी शांत नहीं रहता है, तो यह आपके लिए बेहद फायदेमंद है। इसे करने से शरीर की ऊर्जा बनी रहती है और फेफड़े भी स्वस्थ रहते हैं।

कपालभाति प्राणायाम : कपालभाति प्राणायाम डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है। इससे दिमाग और नर्वस सिस्टम को भी ऊर्जा मिलती है। हालांकि कपालभाति अधिकतर लोगों के लिए अच्छा है, पर कुछ लोगों को इसे करने से बचना चाहिए। जिन लोगों को कपालभाति न करने की सलाह दी जाती है, उनमें गर्भवती महिलाएं, मासिक धर्म के समय, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, हर्निया, स्लिप डिस्क या पेट दर्द जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोग शामिल हैं। यही नहीं, अगर आपको चक्कर या बेचैनी जैसी समस्या है, तो भी विशेषज्ञ कपालभाति न करने की सलाह देते हैं।

भ्रामरी : तो भ्रामरी के अनगिनत फायदे हैं। यह न केवल मेंटल हेल्थ में भी फायदेमंद है, बल्कि भ्रामरी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे कोई भी व्यक्ति, चाहे बच्चा हो या बुजुर्ग, कभी भी कर सकता है। भ्रामरी के कोई साइड इफेक्ट नहीं हैं।

उज्जायी प्राणायाम, जिसे 'विजयी श्वास' या 'समुद्री श्वास' भी कहते हैं, इसमें श्वास को गले से धीरे-धीरे लिया जाता है और छोड़ा जाता है, जिससे एक हल्की सी घरघराहट या सीटी की आवाज होती है। यह शरीर में गर्मी पैदा करता है, जो मानसून के मौसम में सर्दी-जुकाम से बचाव के लिए उपयोगी हो सकता है।

राम नाम के बेल पत्र से बाबा महाकाल का भव्य शृंगार

उज्जैन, (एजेंसियां)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार (ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया) को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। भगवान महाकाल का राम नाम के बेल पत्र से आलौकिक शृंगार कर भस्म रमाई गई। भक्तों को जैसे ही बाबा के दर्शन हुए 'जय श्री महाकाल' का उद्घोष किया गया। मंगलवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य शृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, जय श्री महाकाल के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।

महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। त्रिशूल, त्रिपुंड, डमरू, भांग, चंदन और राम नाम के बेल पत्र अर्पित किए गए। महाकाल मंदिर के पुजारी ने महाआरती संपन्न कराई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शनिवार देर रात से ही बाबा के दर्शन करने के लिए लाइन में खड़े रहे।

जानकारी के मुताबिक पहले महाकाल को श्मशान की राख अर्पित की जाती थी लेकिन अब विशेष रूप से कपिला गाय के गोबर और औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार भस्म का उपयोग होता है। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना अनिवार्य है। बाबा महाकाल की आरती देश-विदेश में मशहूर है।

लोक संगीत की मिठास व गायन की खास शैली से सोना महापात्रा ने बनाई पहचान

मुंबई, (एजेंसियां)। बॉलीवुड को दमदार आवाजों में शुमार गायिका सोना महापात्रा बुधवार को अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। 17 जून 1976 को जन्मीं सोना ने अपनी गायकी, स्वतंत्र सोच और बेबाक व्यक्तित्व के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई यादगार गाने दिए और संगीत की दुनिया में एक विशिष्ट स्थान हासिल किया।

सोना का संगीत से जुड़ाव बचपन से ही रहा। हालांकि उन्होंने पढ़ाई के क्षेत्र में भी शानदार उपलब्धियां हासिल कीं। भुवनेश्वर के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से बीटेक (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) करने के बाद उन्होंने सिम्बायोसिस, पुणे से एमबीए की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने कॉरपोरेट जगत में भी काम किया और मारिको जैसी कंपनी से जुड़कर पाराशूट और मेडिकर जैसे बड़े ब्रांड्स को संभाला।

लेकिन संगीत के प्रति उनका लगाव उन्हें सुरों की दुनिया में खींच लाया। जिंगल्स से अपने संगीत सफर की शुरुआत करने वाली सोना ने वर्ष 2007 में अपना पहला एल्बम 'सोना' रिलीज किया, जिसे श्रोताओं की ओर से बढ़िया प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद उन्होंने कई लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज दी और अपनी अलग गायकी शैली से पहचान बनाई। आमिर खान के चर्चित शो 'सत्यमेव जयते' में उनकी प्रस्तुतियों ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी आवाज में लोक संगीत की मिठास और समकालीन संगीत का मेल साफ दिखाई देता है। पति और संगीतकार राम संपत के साथ मिलकर वह स्वतंत्र संगीत को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार काम कर रही हैं। दोनों ने 'ओमग्राउन म्यूजिक' के जरिए कई प्रयोगात्मक और फोक-पॉप प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

सोना महापात्रा सिर्फ एक गायिका ही नहीं, बल्कि अपनी स्पष्ट राय रखने वाली कलाकार के रूप में भी जानी जाती हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर उनकी बेबाक टिप्पणियां अक्सर चर्चा का विषय बनी हैं। अपने विचारों को खुलकर रखने की उनकी शैली ने उन्हें संगीत जगत की विशिष्ट आवाजों में शामिल किया है।

अब, जब सोना महापात्रा अपने जीवन के 50वें पड़ाव में प्रवेश कर रही हैं, उनके प्रशंसक उनके संगीत, व्यक्तित्व और अब तक के सफर को सलाम कर रहे हैं और आने वाले वर्षों में उनकी नई प्रस्तुतियों का इंतजार कर रहे हैं।

सांस्कृतिक विरासत को बचाने व बढ़ावा देने की दिशा में एक और अहम उपलब्धि

आदिवासी संगीत वाद्ययंत्र को मिला जीआई टैग

अगरतला, (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि त्रिपुरा ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बचाने और

■ कारीगरों और संगीतकारों को भी ज्यादा पहचान व सोहरत मिलेगी
■ अनानास की 'क्वीन' और 'क्यू' किस्म भी काफी मशहूर

बढ़ावा देने की दिशा में एक और अहम उपलब्धि हासिल की है। राज्य के पारंपरिक और अनोखे स्थानीय तार वाले संगीत वाद्ययंत्र 'त्रिपुरा सारिंदा' को प्रतिष्ठित जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिला है। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि 'त्रिपुरा सारिंदा' (संगीत वाद्ययंत्र) को जीआई मान्यता मिलना राज्य की अनमोल लोक परंपराओं को सुरक्षित रखने, बेहतर बनाने और लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। साथ ही, इससे त्रिपुरा की अलग सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध विरासत को और मजबूती मिलेगी।

सूचना और संस्कृति मामलों का विभाग संभालने वाले मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि इस नई मान्यता के साथ, अब त्रिपुरा के पास गर्व से चार जीआई-टैग वाले उत्पाद हैं। यह उपलब्धि इस पारंपरिक वाद्ययंत्र से जुड़े कारीगरों और संगीतकारों के समर्पण, हुनर और रचनात्मकता को दिखाती है। उनके योगदान को व्यापक रूप से सराहना और मान्यता की गई है।

उन्होंने कहा कि त्रिपुरा सारिंदा को मिली इस मान्यता से पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र को बचाने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर त्रिपुरा को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की कोशिशों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि

त्रिपुरा के 'क्वीन अनानास', आदिवासी समुदायों के पारंपरिक पहनावे 'रिफा/पचरा (रिन्साई)' और 'माताबाड़ी पेड़ा' को पहले ही जीआई सर्टिफिकेशन मिल चुका है। ये राज्य की समृद्ध परंपराओं, जीवंत सांस्कृतिक विरासत और अनोखी पहचान को उजागर करते हैं।

माताबाड़ी पेड़ा दूध से बनी एक मिठाई है। इसे पारंपरिक रूप से 524 साल पुराने त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में प्रसाद के तौर पर चढ़ाया जाता है। यह मंदिर दक्षिण त्रिपुरा के गोमती जिले के उदयपुर में स्थित है और हिंदू धर्म के 51 पवित्र शक्तिपीठों में से एक है। त्रिपुरा अपने अनानास की 'क्वीन' और 'क्यू' किस्मों के लिए भी काफी मशहूर है। ये दोनों किस्में राज्य के खास पहाड़ी इलाकों और नमी वाले मौसम में बहुत कम केमिकल के इस्तेमाल से अच्छी तरह उगती हैं। त्रिपुरा के कृषि और किसान कल्याण मंत्री रतनलाल नाथ ने पहले कहा था कि ये अनानास दिखने में सुनहरे-पीले रंग के होते हैं और पूरी तरह पकने पर अपने अनोखे स्वाद और अच्छी खुशबू के लिए पहचाने जाते हैं। इस फल की खेती और बाजार में इसकी पहुंच बढ़ाने के मकसद से, नॉर्थ ईस्टर्न रीजन के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछले महीने मुख्यमंत्री माणिक साहा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के साथ मिलकर 236 करोड़ रुपए के 'मिशन क्वीन पाइनएप्पल, त्रिपुरा' की शुरुआत की।

मंत्री रतनलाल नाथ ने कहा था, 2018 में त्रिपुरा में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने 'क्वीन पाइनएप्पल' को राज्य का फल घोषित किया। क्वीन किस्म के पाइनएप्पल को पहले ही जीआई टैग मिल चुका है, जो इसकी खासियत और असलियत को सुरक्षित रखता है।

संपादक की कलम से

जो लक्ष्य नहीं छोड़ते, वही मंजिल तक पहुंचते हैं

मानव जीवन के यात्रा पथ के विभिन्न पड़ावों का सबसे महत्त्वपूर्ण विषय यह है कि व्यक्ति का वास्तविक लक्ष्य क्या है। यह लक्ष्य वही होगा, जैसा व्यक्ति अपनी चिंतनधारा से उसे आकार देगा। जैसे दुखी व्यक्ति का लक्ष्य है प्रसन्न होना या भूखे व्यक्ति का लक्ष्य है भोजन ग्रहण करना, उसी प्रकार सकारात्मक भविष्य प्रबंधन के लिए लक्ष्यों के अनेक आयाम हैं।

बचपन के बाद किशोरावस्था और फिर युवावस्था में प्रवेश करते ही आमतौर पर यह तय करने की पारिवारिक जिम्मेदारी होती है कि उसे किस क्षेत्र में कदम रखना है। अगर घर की परंपरा या विरासत में कृषि कार्य या व्यवसाय का संचालन हो रहा है, तो कई बार युवा अपने अभिभावकों की इच्छा का सम्मान करते हुए अपनी सहमति देते हैं।

आज के दौर में हो रहे परिवेशीय परिवर्तन और एकल परिवार के गठन ने विशेषकर युवा पीढ़ी के समक्ष भविष्य निर्माण की गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। शिक्षा ग्रहण करने के अनेक क्षेत्रों की उपलब्धता से युवा वर्ग को इसमें चयन के कई विकल्प दिखाई देते हैं। ग्रामीण परिवेश की स्थितियों में अब कृषि भूमि और व्यावसायिक हिस्सों में विभाजन की स्थिति ने युवाओं के भीतर यह चिंतनभूमि तैयार कर दी है कि रोजी-रोजगार के लिए उन्हें शिक्षा के द्वार तलाशने होंगे।

इस क्रम में आज की युवा पीढ़ी को लक्ष्य का चयन सोच-समझकर करने की जरूरत है, जो उसकी गहन अभिरुचि, योग्यता और मूल्यों से समन्वय स्थापित करता हो। केवल अर्थोपार्जन या प्रसिद्धि पाना लक्ष्य नहीं, बल्कि ऐसे कार्य का चुनाव हो, जिससे आत्म-संतुष्टि मिले और परिवार, समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा-अंश भी बने। अनुभवी और सफल लोगों की मान्यता है कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समयबद्ध योजना, कठिन परिश्रम और धैर्य भी आवश्यक है।

रास्ते में असफलताएं, बाधाएं और चुनौतियां आएंगी, पर लक्ष्य दृढ़ होगा तो हम थोड़ा थक-हार कर भी फिर से उठ खड़े होंगे और लक्ष्य प्राप्ति के लिए गतिशील हो जाएंगे। लक्ष्यहीन लोग समय की गति के साथ बह जाते हैं, जबकि लक्ष्य के साथ वे प्रतिकूल परिस्थितियों को अपनी मुट्ठी में कैद कर आगे बढ़ने में सफल हो जाते हैं।

जो युवा अपने जीवन का एक श्रेष्ठ लक्ष्य निर्धारित कर कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ते हैं, वे ही लक्ष्य का दीपक प्रज्ज्वलित कर अपने जीवन से अंधकार की छाया को भी दूर भगा पाते हैं। उत्साही मन अपने प्रथम लक्ष्य बिंदु को स्पर्श करने में ज्यों ही सफल होता है, उसके समक्ष सृजन के दूसरे लक्ष्य के सपने भी तैरने लगते हैं। आए दिन कई दृष्टांत देखे गए हैं कि एक प्रतियोगी जब लक्ष्य का प्रथम सोपान प्राप्त कर लेता है, तो उसकी ज्ञान-ऊर्जा उच्चतर लक्ष्य के लिए भी उसे प्रेरित करती है।

लक्ष्यजनित सफलता के सूर्योदय में अनेक ऐसे भी संयोग सूत्र आते हैं, जब व्यक्ति आधे रास्ते में थककर वापस लौटना चाहता है। उसकी हिम्मत और धैर्य की तरंग उसे ऐसे पड़ाव पर खड़ा कर देती है, जहां कोई उसका हितैषी या मार्गदर्शक दिखाई नहीं देता। इस संक्रमण काल में निराश व्यक्ति के अंदर भंडारित ऊर्जा और विवेक ही है, जो उसे जागृत कर सकता है।

प्रश्न है कि इसे किस स्रोत से जागृत कराया जाए। इस स्थिति में मनोवैज्ञानिक अनुभव यही कहता है कि लक्ष्य बिंदु से बुझ चुके व्यक्ति को कुछ दिनों के लिए रोचक या मनोरंजक गतिविधियों से संबद्ध किया जाए, ताकि वह मानसिक दबाव से मुक्त होकर राहत की अनुभूति के आंगन में आ जाए। जब व्यक्ति अपने को तरोताजा महसूस करने लगे, तो उसे उस विरत हुए बिंदु पर फिर लाकर आगे की लक्ष्य यात्रा के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उसे यह बताने की जरूरत है कि रुक जाना, थक जाना या हार मानकर गंतव्य से वापसी करना उसके भविष्य के लिए अनुकूल नहीं है।

एक सबसे प्रभावी क्रिया यह भी है कि उससे राय ली जाए कि द्वंद्व के पड़ाव पर उसकी अनुभूति कैसी रही और अब जब वह उस द्वंद्व से स्वतंत्र होकर बिल्कुल तरोताजा है, तो आगे उसकी क्या योजना है। स्वचिंतन के पल में निश्चित ही वह व्यक्ति अतीत के नैराश्य-बंधन से आजाद होकर अपने भविष्य को फलदायी बनाने का संकल्प दोहराएगा। कभी-कभी हताश युवा समुचित मार्गदर्शन के अभाव में भाग्यवादी होकर कुछ निराश साथियों की संगति में भी लक्ष्य मार्ग से भटकते हुए यथास्थिति का पालक बन जाता है।

मानसिक रूप से सबसे तरल और सरल हमारी युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण के अनेक प्रकल्प हैं, जिन्हें अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य के अनुसार ही चयन करने की आवश्यकता है। अपनी कार्यक्षमता और योग्यता से अधिक भार वहन करने पर युवा लक्ष्य से फिसलन की ओर आ जाते हैं। अधिकांश मामलों में युवाओं की महत्त्वाकांक्षा इतनी भारी हो रही है, जिसे वे अपनी क्षमता के विपरीत मानते हैं। कभी-कभी अभिभावकों की बच्चों से अधिक उम्मीद की स्थिति खतरनाक साबित होती है। कई शोधों में यह सामने आया है कि करीब सत्तर फीसद ऐसे विद्यार्थी थे, जिन्होंने खुले मन से बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनके अभिभावकों का उन पर अत्यधिक दबाव था। आंकड़े चिंतित करने वाले हैं कि इस दबाव से पीड़ित कई विद्यार्थी अपनी जीवनलीला भी समाप्त कर रहे हैं, क्योंकि वे सोच लेते हैं कि जो अपेक्षा उनसे की जा रही है, वह उनकी सामर्थ्य के बाहर है।

इसलिए आवश्यक है कि इस भाग-दौड़ की जिंदगी में युवा पीढ़ी को लक्ष्य निर्धारण में उनके माता-पिता अपने मैत्रीभाव का प्रदर्शन करते हुए समय-समय पर आत्मीय सहयोग, अनुश्रवण और मृदुल वातावरण उपलब्ध कराएं। इससे लक्ष्य का लालित्य शाश्वत रहेगा।

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

महेन्द्र तिवारी

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की रूपरेखा बहुत ही रणनीतिक तरीके से तैयार की गई। 31 मई 2026 को काकोली घोष दस्तीदार को नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह दल कोई बहुत पुरानी या स्थापित ताकत नहीं थी बल्कि इसे 2023 में ही पंजीकृत कराया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन राजनीतिक परिदृश्य के हाशिये पर ही था लेकिन 20 सांसदों के एकमुश्त विलय ने इसे अचानक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसके बाद 14 जून 2026 को इस विलय और नए नेतृत्व की औपचारिक जानकारी भारत के निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई।

भारतीय राजनीति के इतिहास में कई ऐसे घटनाक्रम दर्ज हैं जिन्होंने रातोंरात सत्ता के समीकरणों को बदलकर रख दिया है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से 20 सांसदों का अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल होना एक ऐसा राजनीतिक भूचाल है जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। यह घटना महज कुछ नेताओं का पाला बदलना नहीं है बल्कि एक सुस्थापित राजनीतिक दल के भीतर उपजे गहरे असंतोष और महत्वाकांक्षाओं के टकराव का परिणाम है। लंबे समय तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीब रहीं काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में हुआ यह विभाजन भारतीय लोकतंत्र की उस गतिशीलता को दर्शाता है जहां कोई भी संगठन पूरी तरह अजेय नहीं होता। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारतीय राजनीति में पाला बदलने और नई विचारधाराओं के साथ चलने की परंपरा रही है लेकिन जब इतनी बड़ी संख्या में सांसद एक साथ अपनी पुरानी वफादारी छोड़ते हैं तो इसके मायने बहुत गहरे होते हैं। यह घटना इस बात का सटीक उदाहरण है कि कैसे राजनीतिक असंतोष धीरे धीरे पककर एक बड़े विस्फोट का रूप ले लेता है।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की रूपरेखा बहुत ही रणनीतिक तरीके से तैयार की गई। 31 मई 2026 को काकोली घोष दस्तीदार को नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह दल कोई बहुत पुरानी या स्थापित ताकत नहीं थी बल्कि इसे 2023 में ही पंजीकृत कराया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन राजनीतिक परिदृश्य के हाशिये पर ही था लेकिन 20 सांसदों के एकमुश्त विलय ने इसे अचानक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसके बाद 14 जून 2026 को इस विलय और नए नेतृत्व की औपचारिक जानकारी भारत के निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई। निर्वाचन आयोग को समय पर सूचना देना इस बात का प्रमाण है कि बागी गुट कानूनी और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करते हुए अपने कदम आगे बढ़ा रहा है ताकि उन पर कोई वैधानिक संकट ना आए।

इस विभाजन का सबसे दूरगामी प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति पर पड़ने वाला है। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए इन 20 सांसदों ने स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। संसद के भीतर 20 सांसदों का एक झटके में सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में चले जाना विपक्ष की एकजुटता के लिए एक बड़ा आघात है। इससे न केवल संसद में संख्या बल का समीकरण पूरी तरह बदल गया है बल्कि विपक्षी दलों के उस मनोबल को भी गहरी ठेस पहुंची है जो वे आगामी चुनावों के लिए तैयार कर रहे थे। पश्चिम बंगाल जो कि हमेशा से गैर कांग्रेसी और गैर सत्ताधारी गठबंधनों का एक मजबूत गढ़ रहा है वहां से उठी यह बगावत अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के लिए भी खतरे की घंटी है।

संविधान के जानकारों और राजनीतिक विश्लेषकों की नजर अब दसवीं अनुसूची यानी दल बदल विरोधी कानून पर टिकी है। भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों को मनमर्जी से दल बदलने से रोकने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं। लेकिन जब किसी संगठन के निर्वाचित सदस्यों का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अलग होता है और वह आवश्यक वैधानिक अनुपात को पूरा करता है तो सदस्यों की सदस्यता रद्द होने से बच जाती है। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि निर्वाचन आयोग और संसदीय समितियां इस पूरे मामले का मूल्यांकन किस तरह करती हैं। यदि ये 20 सांसद अपनी सदस्यता बचाने में सफल रहते हैं तो यह काकोली घोष दस्तीदार की एक बहुत बड़ी वैधानिक और रणनीतिक जीत मानी जाएगी। दल बदल कानून का मूल उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता को रोकना था लेकिन समय समय पर नेताओं ने इसके भीतर मौजूद कानूनी रास्तों का उपयोग अपने हित में किया है। अब जब मामला निर्वाचन आयोग के विचाराधीन है तो सभी कानूनी पहलुओं की बहुत ही बारीकी से जांच की जाएगी। इस निर्णय का प्रभाव केवल इन सांसदों के भविष्य पर ही नहीं बल्कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और भविष्य में होने वाले ऐसे हर विभाजन पर नजीर के रूप में काम करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के लिए यह स्थिति गहन आत्मनिरीक्षण की है। दशकों के लंबे और कड़े संघर्ष के बाद जिस दल ने पश्चिम बंगाल में अपना अभेद्य किला बनाया था उस किले में इतनी बड़ी सेंध लगना नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। दल को अब न केवल अपने बचे हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं का भरोसा जीतना होगा बल्कि जमीन पर जनता के बीच भी यह संदेश देना होगा कि यह टूट उनके जनाधार को कमजोर नहीं कर सकती। राज्य का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि यहां की जनता ने हमेशा सशक्त और स्पष्ट विचारधारा वाले नेतृत्व को पसंद किया है। वामपंथी दलों के लंबे शासनकाल को समाप्त करके जब ममता बनर्जी सत्ता में आई थीं तब जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया था। अब यही बदलाव की मांग अगर उनके अपने ही संगठन के भीतर से उठ रही है तो इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

दूसरी ओर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती इन सभी 20 सांसदों को एकजुट रखना और राज्य में अपने लिए एक नया और मजबूत मतदाता आधार तैयार करना होगा। पश्चिम बंगाल की जनता जो राजनीतिक रूप से अत्यधिक जागरूक मानी जाती है वह इस पाला बदल को वैचारिक क्रांति मानती है या अवसरवादिता यह आने वाले चुनाव परिणामों में ही पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा। इसके अतिरिक्त यह घटना क्षेत्रीय दलों की उस कमजोरी को भी उजागर करती है जहां संगठन का पूरा ढांचा किसी एक व्यक्ति के इर्द गिर्द घूमता है। जब दूसरी पंक्ति के नेताओं को आगे बढ़ने और अपनी बात रखने का उचित मंच नहीं मिलता तो इस तरह के विद्रोह जन्म लेते हैं। काकोली घोष दस्तीदार का कदम अन्य राज्यों में ऐसे नेताओं को भी प्रेरित कर सकता है जो अपने संगठनों में खुद को हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय दलों के लिए यह एक बहुत बड़ा अवसर होता है जब वे क्षेत्रीय दलों के असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ जोड़कर अपने राजनीतिक आधार का विस्तार करते हैं। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल करने के पीछे भी यही रणनीति काम कर रही है। इससे सत्ताधारी गठबंधन को उस क्षेत्र में भी अपनी जड़ें मजबूत करने का मौका मिलेगा जहां वह अब तक कमजोर माना जाता रहा है।

अंततः यह घटनाक्रम केवल एक राज्य तक सीमित रहने वाला नहीं है। यह पूरे देश के राजनीतिक विचारकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि सत्ता के केंद्रीकरण और आंतरिक लोकतंत्र की कमी के क्या परिणाम हो सकते हैं। 2026 का यह वर्ष भारतीय राजनीति में नए गठबंधनों पुराने रिश्तों के टूटने और महत्वाकांक्षाओं की नई उड़ान के लिए याद किया जाएगा। काकोली घोष दस्तीदार के रूप में उभरा नया नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिला उनका समर्थन भविष्य की राजनीति की एक ऐसी पटकथा लिख रहा है जिसका हर पन्ना अनिश्चितताओं से भरा है।

दोहरा चरित्र ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान

संजय सक्सेना

राजनीति में दोहरे मापदंड कोई नई बात नहीं है, लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले कुछ हफ्तों में जो तस्वीर पेश की है, वह किसी भी संवेदनशील नागरिक को सोचने पर मजबूर कर देती है। एक तरफ अयोध्या के राम मंदिर में चंदे की चोरी का मामला उठाकर वे हिंदू समाज और सनातन धर्म को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गाजियाबाद के खोड़ा में 17 साल के सूर्या चौहान की निर्मम हत्या पर उनके होंठ सिले हुए हैं। यह महज संयोग नहीं, यह सोची-समझी सियासत है। मुरादाबाद में अपने सांसद जावेद अली के उस बयान पर कुछ नहीं बोलते हैं, जिसमें वह बहुसंख्यक समाज को जहरीला बताता है। मुस्लिम युवाओं से हिंदू दोस्तों को कन्वर्ट करने की बात खुलेआम कहता है। हिंदुओं को बांटने के लिए ब्राह्मण नेताओं का सम्मेलन कराते हैं। दरअसल, सात जून को अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राम मंदिर के दानपात्र में करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया। बात यहीं नहीं रुकी। आगरा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने पुजारियों की जांच को सनातन का अपमान बताया। अब सवाल यह है कि जब वही पुजारी या मंदिर परिसर के कर्मचारी चोरी के आरोपी हों तो जांच क्यों न हो? लेकिन अखिलेश की राजनीतिक फितरत यह है कि किसी एक घटना को पूरे हिंदू समाज के माथे पर चिपका दो और फिर सियासी रोटी सेंको। दानपात्र से चोरी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी भी बना दी, लेकिन अखिलेश को यह कार्रवाई नहीं दिखी क्योंकि दिखती तो उनका नैरेटिव ही ध्वस्त हो जाता।

इसी बीच मुरादाबाद में सपा के राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने पीडीए सम्मेलन में जो कहा, वह पूरे प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर झकझोर गया। उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा कि देश का बहुसंख्यक हिंदू समाज जहरीला हो गया है। फिर उन्होंने मुस्लिम कार्यकर्ताओं को नसीहत दी कि हर मुसलमान कम से कम चार ऐसे हिंदू दोस्त बनाए, जिन पर हिंदू समाज खुद भरोसा करता हो, ताकि उनके जरिए बीजेपी को सत्ता से बाहर किया जा सके। यानी हिंदुओं को ही हिंदुओं के खिलाफ इस्तेमाल करने की खुलेआम रणनीति। यह बयान जितना विवादित है, उतना ही खतरनाक भी। लेकिन अखिलेश यादव? उन्होंने इस बयान पर एक शब्द नहीं बोला। न निंदा, न खंडन, न स्पष्टीकरण। यही उनकी राजनीति का असली चेहरा है। पार्टी के मुस्लिम नेता जो चाहें बोलें, अखिलेश की तरफ से पूरी तरह मौन समर्थन मिलता रहेगा। यही वह दोमुंही सियासत है, जो दशकों से यूपी की राजनीति में जहर घोलती आ रही है। अब जरा खोड़ा की उस गली पर भी नजर डालिए, जहां 28 मई को बकरीद के दिन 11वीं के छात्र सूर्या चौहान को उसके दोस्त असद और उसके साथियों ने चाकू से गोद दिया। इलाज के दौरान सूर्या ने दम तोड़ दिया। मां की आंखों में आंसू थे, भाई का दर्द शब्दों में बयां नहीं हो सकता था। पूरे इलाके में तनाव था। लेकिन समाजवादी पार्टी के सबसे बड़े नेता अखिलेश यादव के मुंह से न निंदा के दो शब्द निकले, न पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना का एक वाक्य। जैसे घटना हुई ही नहीं। और जब पुलिस ने आरोपी असद का एनकाउंटर किया, तब सपा के प्रवक्ता अमीक जामेई ने एनकाउंटर पर सवाल उठाने की कोशिश की। यानी जब एक हिंदू छात्र की हत्या हुई तब चुप्पी, और जब हत्यारे पर कार्रवाई हुई तब आवाज उठाई। पर्दे के पीछे की बात यह है कि सपा के भीतर इस एनकाउंटर को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बताकर बड़ा हिंदू मुद्दा बनाने की रणनीति बनी थी, लेकिन सूर्या हत्याकांड का वीडियो सामने आने के बाद पार्टी को बैकफुट पर आना पड़ा।

यह कोई इकलौती घटना नहीं है। यूपी की राजनीति में अखिलेश यादव का यही ढर्रा रहा है। जब भी किसी मुस्लिम नेता ने विवादित बयान दिया, अखिलेश ने मौन साध लिया। जब भी किसी हिंदू के साथ अन्याय हुआ और आरोपी किसी खास वर्ग से रहा, सपा की तरफ से पीड़ित परिवार को ढांढस देने कोई नहीं गया। लेकिन जब भी किसी अपराधी का एनकाउंटर हुआ, जो मुसलमान था, तब एनकाउंटर पर सवाल उठाने की पूरी ताकत लगा दी गई। यह तथाकथित पीडीए यानी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक की राजनीति का वह असली रूप है, जिसे अखिलेश ने बड़ी चालाकी से गढ़ा है। समाजवादी पार्टी की इस राजनीति को समझने के लिए दो एनकाउंटर की तुलना काफी है। गाजीपुर में विनीत राय हत्याकांड के आरोपी कमलेश बिंद का एनकाउंटर हुआ। तब अखिलेश यादव खुद, उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव, महासचिव शिवपाल यादव और रामगोपाल यादव तक ने बयान दिया। लेकिन सूर्या के हत्यारे असद के एनकाउंटर पर? सन्नाटा। दोनों एनकाउंटर, दो अलग प्रतिक्रियाएं, एक ही फर्क था कि आरोपी किस धर्म का था। यह वोट बैंक की राजनीति का सबसे नंगा चेहरा है।

अखिलेश यादव की इस दोमुंही सियासत की जड़ें बहुत गहरी हैं। मुलायम सिंह यादव के जमाने से ही सपा की रणनीति रही है कि मुसलमानों को एकजुट रखो और हिंदुओं को जातियों में बांटे रखो। इसी फार्मूले को अखिलेश ने पीडीए के नए आवरण में लपेटकर परोसा है। जावेद अली खान का बयान इसी रणनीति का हिस्सा है, जहां मुस्लिम कार्यकर्ताओं को हिंदुओं के बीच पैठ बनाने के लिए कहा जा रहा है, न सामाजिक सद्भाव के लिए बल्कि बीजेपी को हराने के राजनीतिक लक्ष्य के लिए। उधर, 2027 के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं और यूपी की राजनीति में हर पार्टी अपनी जमीन तैयार कर रही है। अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चंदे का मुद्दा उठाकर भाजपा को उसी के हिंदुत्व के मैदान में घेरने की कोशिश की है। लेकिन इस कोशिश में वे यह भूल गए, या जानबूझकर नजरअंदाज किया कि किसी मंदिर में कुछ लोगों की बेईमानी को पूरे हिंदू समाज का दाग नहीं बनाया जा सकता। मंदिर ट्रस्ट और सरकार दोनों ने तत्काल कार्रवाई की, एसआईटी बनाई, गिरफ्तारियां हुईं। यही तो होना चाहिए था। लेकिन अखिलेश चाहते हैं कि यह मुद्दा सुलगता रहे, क्योंकि इसी सुलगन से उनकी सियासी रोटी सिकती है। आज राम मंदिर के दानपात्र से चोरी की घटना से अखिलेश जितना आहत दिखाई दे रहे हैं, उससे अधिक दर्द समाजवादी पार्टी ने 1990 में तब दिया था, जब मुलायम सरकार ने 16 निहत्थे कारसेवकों को गोली से भून दिया था।

बाद में मुलायम ने यहां तक कहा कि हमें 16 की जगह 40 मारने पड़ते तो भी हम हिचकते नहीं। कारसेवकों की हत्या के बाद मुलायम मुसलमानों से कहते थे कि इससे अधिक हम आपके लिए क्या कर सकते हैं। बहरहाल, यूपी की जनता अब समझदार हो चुकी है। वह देख रही है कि कौन कब बोलता है और कौन कब चुप रहता है। सूर्या की मां का दर्द और अखिलेश यादव की चुप्पी, दोनों एक साथ दर्ज हो चुकी हैं इतिहास के पन्नों पर। जावेद अली खान का बयान और अखिलेश का मौन समर्थन, यह भी दर्ज है। राम मंदिर पर उनकी सक्रियता और खोड़ा में एक हिंदू छात्र की हत्या पर उनकी निष्क्रियता, यह दोहरा चरित्र ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान बन चुका है। 2027 में जनता इस पहचान का जवाब जरूर देगी।

(18 जून – महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर विशेष)

वीरों की शान झाँसी की रानी...!

वीरों की वह शान थीं,
झाँसी की महारानी,
देश-भक्ति की ज्योति थीं,
लक्ष्मीबाई रानी।
नन्हीं-सी उम्र से ही
साहस का पाठ पढ़ाया,
अन्याय-अत्याचारों से
डटकर युद्ध लड़ाया।
हाथों में तलवार लिए
जब रणभूमि में आई,
दुश्मनों के दिल में,
वीरता की धाक जमाई।
मातृभूमि रक्षा हेतु
जीवन अपना वार दिया,
स्वतंत्रता के पावन पथ
इतिहास रच दिया।
वीरांगना का नाम
सुन मन गर्व से भर जाता,
त्याग और साहस,
सभी को प्रेरणा दे जाता।
जय-2 झाँसी की रानी,
भारत का अभिमान,
सदा अमर रहेगा
संसार में उनका गौरवगान।

– संजय एम तराणेकर

मानवाधिकार और भू-राजनीति: क्या वैश्विक संवेदनाएँ चयनात्मक हैं?

डॉ. मनमोहन प्रकाश

मानवाधिकारों की अवधारणा आधुनिक विश्व व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण नैतिक और कानूनी स्तंभों में से एक मानी जाती है। इसका मूल विचार यह है कि प्रत्येक व्यक्ति, उसकी राष्ट्रीयता, धर्म, भाषा, राजनीतिक विचार या भौगोलिक स्थिति चाहे जो भी हो वह कुछ मूलभूत अधिकारों का अधिकारी है। परंतु व्यवहार में एक प्रश्न बार-बार उभरता है: क्या मानवाधिकारों की रक्षा और उनके उल्लंघन पर वैश्विक प्रतिक्रिया वास्तव में समान और सार्वभौमिक है, अथवा वह भू-राजनीतिक हितों, रणनीतिक संबंधों और अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन से प्रभावित होती है?

यह प्रश्न हाल के वर्षों में कई क्षेत्रों की घटनाओं के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। पाकिस्तान प्रशासित जम्मू-कश्मीर में महंगाई, प्रशासनिक व्यवस्था, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय अधिकारों से जुड़े आंदोलनों के दौरान बल प्रयोग, गिरफ्तारियों, संचार प्रतिबंधों और नागरिक हताहतों की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता उत्पन्न की। इसी प्रकार पाकिस्तान के भीतर कई राज्यों द्वारा स्वतंत्र राष्ट्र की मांग, अधिक स्वायत्तता की मांग तथा कुछ संगठनों तथा पार्टियों द्वारा राजनीतिक गिरफ्तारियों, झूठे मुकदमे आदि के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों हुए हैं जिन्हें दबाने के लिए गिरफ्तारियों और बल प्रयोग तथा गोली मारने के आदेश को लेकर प्रश्न उठते रहे हैं। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों ने ऐसे मामलों में पारदर्शिता, स्वतंत्र जांच और नागरिकों की आवाज और जान-माल की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया है।

हालाँकि यह विषय केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में देखा गया है कि जब नागरिक समूह आर्थिक संकट, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सांस्कृतिक पहचान या प्रशासनिक निर्णयों के विरुद्ध आवाज़ उठाते हैं, तब राज्यों के सामने चुनौती यह होती है कि वे सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाएँ। लोकतांत्रिक व्यवस्था का आदर्श यह मानता है कि असहमति को कानूनसम्मत और शांतिपूर्ण तरीके से व्यक्त करने का अधिकार नागरिक जीवन का आवश्यक तत्व है तथा राज्य की प्राथमिक प्रतिक्रिया संवाद, संस्थागत समाधान और संवैधानिक प्रक्रियाएँ होनी चाहिए। इसी सिद्धांत को संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा भी रेखांकित करती है। इसके अनुच्छेद 19 में विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 20 में शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकार को मान्यता दी गई है। साथ ही यह भी स्वीकार किया गया है कि सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के हित में कुछ सीमाएँ लगाई जा सकती हैं, लेकिन वे आवश्यक, अनुपातिक और विधिसम्मत होनी चाहिए।

यहीं से भू-राजनीति और मानवाधिकारों के बीच जटिल संबंध सामने आते हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्र प्रायः केवल नैतिक आधार पर निर्णय नहीं लेते; उनके निर्णय सुरक्षा, व्यापार, सामरिक साझेदारी, ऊर्जा हितों और क्षेत्रीय प्रभाव जैसे अनेक कारकों से प्रभावित होते हैं। परिणामस्वरूप, कई बार यह धारणा बनती है कि कुछ देशों या क्षेत्रों में मानवाधिकार उल्लंघनों पर वैश्विक प्रतिक्रिया तीव्र और मुखर होती है, जबकि अन्य स्थानों पर प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत सीमित या औपचारिक दिखाई देती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक स्थिति में यह धारणा पूरी तरह सही हो; अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रक्रियाएँ, उपलब्ध जानकारी, कानूनी सीमाएँ और कूटनीतिक परिस्थितियाँ भी प्रतिक्रिया को प्रभावित करती हैं।

सरकारी पिस्टल चोरी करने वाला होमगार्ड गिरफ्तार, पिस्टल व 10 कारतूस बरामद

गिरार पुलिस, स्वॉट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई, दबाव बनाकर रुपये वसूलने के लिए की थी चोरी

ललितपुर। पुलिस की गिरफ्त में आया होमगार्ड।

ललितपुर। थाना गिरार पुलिस ने सरकारी पिस्टल चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी होमगार्ड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 9 एमएम पिस्टल, मैग्जीन तथा 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना गिरार में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 34/2026 धारा 305(ई)/317(2) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त महरौनी के ग्राम किसरदा निवासी मंगल पुत्र अनिरुद्ध सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से चोरी की गई सरकारी 9 एमएम पिस्टल, मैग्जीन एवं 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए। मामले की शुरुआत तब हुई जब पीआरवी में तैनात एक मुख्य आरक्षी द्वारा सूचना दी गई कि उनके साथ ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड चालक ने उनकी सरकारी पिस्टल, मैग्जीन और 10 जिंदा कारतूस चोरी कर लिए हैं। सूचना मिलते ही थाना गिरार में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल चार विशेष टीमें गठित कीं, जिनमें थाना पुलिस, स्वॉट टीम और सर्विलांस टीम शामिल थीं। टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल सर्विलांस के माध्यम से साक्ष्य जुटाकर आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी मंगल सिंह ने स्वीकार किया कि वह होमगार्ड के रूप में कार्यरत है और पीआरवी पर हेड कांस्टेबल प्रकाशचंद्र के साथ ड्यूटी कर रहा था। आरोपी ने बताया कि उसने 14 जून 2026 की रात ड्यूटी के दौरान सरकारी पिस्टल चोरी की थी। उसका उद्देश्य हेड कांस्टेबल पर दबाव बनाकर उनसे रुपये वसूलना था। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए पुलिस से माफी भी मांगी। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक थाना गिरार हरिशंकर, प्रभारी सर्विलांस अरुण पवार तथा प्रभारी स्वॉट टीम अतुल तिवारी सहित उनकी टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने मामले के सफल अनावरण को टीमवर्क और त्वरित कार्रवाई का परिणाम बताया है।

जुताई के पैसे मांगने पर किसान से मारपीट, महिला समेत तीन पर मुकदमा

ललितपुर। खेत की जुताई के बकाया रुपये मांगना एक किसान को महंगा पड़ गया। थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम बूचा में मजदूरी के पैसे मांगने पर तीन लोगों ने कथित रूप से किसान के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। आरोपियों ने पीड़ित को दोबारा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर महिला सहित तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बूचा निवासी अनेक पुत्र तुलाराम लोधी ने बताया कि उसने अपने ट्रैक्टर से गांव के ही अज्जू पुत्र हरचरन बुनकर के खेत की जुताई की थी। जुताई का कार्य पूरा होने के बाद भी उसे मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया था। 9 जून की दोपहर करीब दो बजे वह गांव में स्थित शिवराज की दुकान के सामने से गुजर रहा था। इसी दौरान उसकी मुलाकात अज्जू से हुई। अनेक ने जब अपने बकाया रुपये मांगे तो आरोपी कथित रूप से नाराज हो गया और विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि मौके पर मौजूद अज्जू, विक्की पुत्र राकेश बुनकर तथा श्रीमती ललितपुर बाई पत्नी हरचरन बुनकर ने मिलकर अनेक के साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर तीनों ने उसे घेर लिया और लात-घूसों से मारपीट कर दी। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

गरेला खदान में हादसा

मजदूर की मौत, दो घायल, अवैध खनन पर उठे गंभीर सवाल

ललितपुर। हादसे के बाद मृतक का शव।

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के मादौन-कपासी इलाके में स्थित गरेला खदान में हुए एक हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में संचालित कथित अवैध खनन गतिविधियों तथा मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम मादौन निवासी निवासी अशोक पुत्र अजुद्दी सहरिया खदान में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान कार्यस्थल पर हुए हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि लोहे की सरिया लगने से उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार हादसे में दो अन्य मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आरोप है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा घायलों का निजी स्तर पर उपचार कराकर उन्हें चुपचाप उनके घर भेज दिया गया। हालांकि इस संबंध में प्रशासन या पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मादौन, कपासी, हरदारी और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन का कार्य संचालित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खदानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है और मजदूरों से जोखिम भरे माहौल में काम कराया जाता है। ऐसे में हादसों की आशंका लगातार बनी रहती है। मृतक के परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच, पोस्टमार्टम कराए जाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने भी क्षेत्र में चल रहे कथित अवैध खनन की उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा मामले की जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों तथा जिम्मेदार लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

जुताई के पैसे मांगने पर किसान से मारपीट, महिला समेत तीन पर मुकदमा

ललितपुर। खेत की जुताई के बकाया रुपये मांगना एक किसान को महंगा पड़ गया। थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम बूचा में मजदूरी के पैसे मांगने पर तीन लोगों ने कथित रूप से किसान के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। आरोपियों ने पीड़ित को दोबारा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर महिला सहित तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बूचा निवासी अनेक पुत्र तुलाराम लोधी ने बताया कि उसने अपने ट्रैक्टर से गांव के ही अज्जू पुत्र हरचरन बुनकर के खेत की जुताई की थी। जुताई का कार्य पूरा होने के बाद भी उसे मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया था। 9 जून की दोपहर करीब दो बजे वह गांव में स्थित शिवराज की दुकान के सामने से गुजर रहा था। इसी दौरान उसकी मुलाकात अज्जू से हुई। अनेक ने जब अपने बकाया रुपये मांगे तो आरोपी कथित रूप से नाराज हो गया और विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि मौके पर मौजूद अज्जू, विक्की पुत्र राकेश बुनकर तथा श्रीमती ललितपुर बाई पत्नी हरचरन बुनकर ने मिलकर अनेक के साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर तीनों ने उसे घेर लिया और लात-घूसों से मारपीट कर दी। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित का कहना है कि जाते समय आरोपियों ने दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद उसने थाना जखौरा पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। जखौरा पुलिस ने आरोपी अज्जू, विक्की तथा श्रीमती ललितपुर बाई के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 351(3), 352 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

दोस्तों से मिलने गए युवक पर धारदार हथियार से हमला

ललितपुर। शहर के मुहल्ला डोडाघाट तालाबपुरा में दोस्तों से मिलने गए एक युवक पर चार लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुहल्ला घुसयाना निवासी आलोक कुमार पुत्र वीरवल प्रसाद ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनका छोटा भाई अखिल उर्फ पई रविवार की रात करीब 11.30 बजे डोडाघाट तालावपुरा स्थित अपने दोस्तों से मिलने गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद नेहरू नगर निवासी केहर अहिरवार, पिसनारी निवासी मौसम तथा चौकाबाग निवासी माखन और साहिल ने अखिल के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब अखिल ने गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और जाते-जाते धमकी दी कि यदि पुलिस या कानूनी कार्रवाई की गई तो जान से मार देंगे। पुलिस ने मामले में आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 352, 115(2), 118(1), 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

- पुलिस ने चार पर किया मुकदमा दर्ज
- गाली-गलौज का विरोध करने पर वारदात

कालापहाड़ के पास कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

ललितपुर। ललितपुर-चंदेरी मार्ग पर ग्राम कालापहाड़ के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के जिला अशोकनगर अंतर्गत चंदेरी की गांधीनगर कॉलोनी निवासी राहुल बाल्मीकि पुत्र अशोक कुमार बाल्मीकि ने बताया कि उनका भाई अरुण बाल्मीकि बीती 1 जून को अपनी होंडा मोटरसाइकिल संख्या एमपी-67-जेई-7514 से ललितपुर से चंदेरी लौट रहा था। जब वह कालापहाड़ के समीप पहुंचा, तभी सामने से आ रही टाटा टियागो कार संख्या यूपी-94-क्यू-1515 के चालक ने तेज एवं लापरवाहीपूर्ण ढंग से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और अरुण गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी ललितपुर पहुंचे। पुलिस ने मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के विरुद्ध बीएनएस की धारा 281, 125(बी), 324(2), 106 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक

ताजियों की ऊंचाई 12 फीट से अधिक नहीं होगी : डीएम

ललितपुर। बैठक में अधिकारियों से वार्ता करते जिलाधिकारी।

ललितपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ कानून एवं शांति व्यवस्था, सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार मोहर्रम के दौरान कोई नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी और पूर्व वर्षों की भांति ही आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, नगर निकायों, विद्युत विभाग तथा जल संस्थान के अधिकारियों को संयुक्त रूप से ताजिया मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जुलूस मार्गों पर लटक रही पेड़ों की डालियों, जर्जर विद्युत तारों एवं अन्य बाधाओं को समय रहते हटाया जाए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी ताजिए की ऊंचाई 12 फीट से अधिक नहीं होगी। सभी ताजिया समितियां इस नियम का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ताजिए केवल निर्धारित कर्बला स्थलों पर ही ठंडे किए जाएंगे। अन्य किसी स्थान पर ताजिया ठंडा किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नगर निकायों एवं ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया कि ताजिया विसर्जन के बाद बचे अवशेषों का तत्काल निस्तारण कराया जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मोहर्रम जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, लाठी-डंडे या ज्वलनशील पदार्थों का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने धर्मगुरुओं एवं ताजिया समितियों से अपील की कि किसी भी धार्मिक आयोजन की सूचना संबंधित थाना पुलिस को पूर्व में उपलब्ध कराएं। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह, संदिग्ध गतिविधि या अराजक तत्व की जानकारी तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को दें। बैठक में विद्युत, पेयजल, सफाई, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि मोहर्रम से पूर्व सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में एडीएम (एफ.आर.) दिनेश कुमार, एएसपी कालू सिंह, सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद, विभिन्न क्षेत्राधिकारी, डीपीआरओ कुंवरसिंह यादव, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता विजय चंद्रा, धर्मगुरु एवं जनपद के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुहर्रम से पहले कर्बला घाट की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

ललितपुर। विकास कार्यों का भूमि पूजन करतीं नपाध्यक्ष।

ललितपुर। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सोनाली जैन एवं अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार को नगर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया तथा सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। नपाध्यक्ष ने वार्ड संख्या-14 के मोहल्ला रावतयाना स्थित इमामी कब्रिस्तान मार्ग पर सीसी सड़क एवं नाला निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों से कब्रिस्तान तक पक्की सड़क न होने के कारण विशेषकर बरसात के मौसम में आवागमन में भारी परेशानी होती थी और जलभराव की समस्या बनी रहती थी। पालिका द्वारा शुरू कराए जा रहे इस निर्माण कार्य से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी तथा जल निकासी व्यवस्था भी बेहतर होगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि आनंद यादव एवं पार्षद अब्दुल बारी मौजूद रहे। इसके बाद अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी ने वार्ड संख्या-16 के मोहल्ला आजादपुरा में चर्च के सामने प्रस्तावित सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमित कुशवाहा भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष ने क्षेत्रवासियों से साफ-सफाई संबंधी फीडबैक लिया और अधिकारियों को नियमित सफाई अभियान चलाने तथा स्ट्रीट लाइट एवं अन्य प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। आगामी 26 जून को आयोजित होने वाले मुहर्रम पर्व को ध्यान में रखते हुए पालिका अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी ने कर्बला घाट और जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने पालिका टीम एवं जल निगम अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए घाटों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों, नालियों एवं अन्य निर्माण कार्यों की मरम्मत कराने के लिए जल निगम के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया। अध्यक्ष सोनाली जैन ने स्पष्ट कहा कि मुहर्रम पर्व से पहले सभी आवश्यक कार्य पूर्ण किए जाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन, पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, जल निगम के अधिशासी अभियंता, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक जितेंद्र स्वरूप तिवारी, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेंद्र सिंह यादव, निर्माण लिपिक दीपेंद्र कुमार, नजूल लिपिक सुधीर रावत, गैरिज प्रभारी अमित कुमार रिंकू सहित नगर पालिका के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोंग साइड से आए ट्रैक्टर ने कार में मारी टक्कर, दो महिलाएं घायल

ललितपुर। झांसी-ललितपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम खांदी के पास एक बिना नंबर के ट्रैक्टर द्वारा कार में टक्कर मारने से दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नामजद ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ललितपुर नगर के इलाइट चौराहा क्षेत्र निवासी शैलेंद्र जायसवाल पुत्र अनिल कुमार जायसवाल सोमवार की शाम करीब 6.30 बजे अपनी होंडा बीआरवी कार संख्या यूपी-94-एस-0999 से परिवार के साथ ललितपुर से झांसी जा रहे थे। जब उनकी कार झांसी-ललितपुर हाईवे पर ग्राम खांदी स्थित जियो पेट्रोल पंप के समीप पहुंची, तभी सामने के कट से एक ईंटों से भरा ट्रैक्टर गलत दिशा से अचानक सड़क पर आ गया। आरोप है कि ट्रैक्टर चालक लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चला रहा था। रोंग साइड से आए ट्रैक्टर ने कार में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार शैलेंद्र जायसवाल की माता कल्पना जायसवाल तथा चाची प्रिया जायसवाल गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। दोनों महिलाओं का उपचार जारी है। पीड़ित शैलेंद्र जायसवाल का आरोप है कि दुर्घटना के समय ट्रैक्टर चालक नशे की हालत में था तथा ट्रैक्टर पर कोई पंजीकरण नंबर भी अंकित नहीं था। स्थानीय लोगों से जानकारी करने पर चालक की पहचान ग्राम गनेशपुरा (खांदी) निवासी ऐसम यादव के रूप में हुई। पुलिस ने मामले में आरोपी ऐसम यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(क), 125(ख), 324(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

झांसी-ललितपुर हाईवे पर हादसा, बिना नंबर ट्रैक्टर चालक पर मुकदमा दर्ज

एन.एच.-44 पर रेलिंग निर्माण के विरोध में ग्रामीणों का चक्काजाम, घंटों बाधित रहा यातायात

ग्राम रोंडा के सामने 30 फीट रास्ता छोड़ने की मांग, प्रशासन के आश्वासन पर समाप्त हुआ प्रदर्शन

ललितपुर। सेफ्टी रैलिंग के विरोध में हाई-वे जाम किये ग्रामीण

ललितपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 (एनएच-44) पर ग्राम रोंडा के सामने रेलिंग (सेफ्टी गार्ड) लगाए जाने के विरोध में बुधवार को ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। अचानक हुए प्रदर्शन के चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात घंटों प्रभावित रहा। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा ग्राम रोंडा के पास हाईवे के डिवाइडर एवं दोनों ओर सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग लगाने का कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्धारित स्थान पर पूरी तरह रेलिंग लगा दी गई तो गांव का मुख्य आवागमन मार्ग बंद हो जाएगा, जिससे हजारों ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम रोंडा से मन्नू पेट्रोल पंप की ओर लगभग दो किलोमीटर तक तथा झांसी की दिशा में करीब एक किलोमीटर तक सड़क पार करने के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में किसानों, विद्यार्थियों, महिलाओं और आम नागरिकों को दूसरी ओर जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों की मांग थी कि गांव के मुख्य आवागमन स्थल पर हाईवे के बीच कम से कम 30 फीट चौड़ा कट या रास्ता छोड़ा जाए, ताकि लोगों की आवाजाही प्रभावित न हो। इसी मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण हाईवे पर एकत्र हो गए और चक्काजाम कर दिया।

जाम की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। करीब एक घंटे तक चली बातचीत के दौरान ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में अधिकारियों ने मामले को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने तथा जनहित में समाधान निकालने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। जाम खुलने के बाद यातायात पुनः सुचारु हो सका।

इस दौरान हाईवे पर फंसे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि ग्राम रौंडा के मुख्य मार्ग पर 30 फीट चौड़ा रास्ता सुरक्षित रखते हुए ही रेलिंग निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों के आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

भारत सरकार के 12 वर्ष पर तीन दिवसीय लगी प्रदर्शनी

जनप्रतिनिधियो ने किया शुभारंभ, सरकार की योजना सहित कार्यो की जानकारी

चित्रकूट। प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ करते भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, जिपंअ अशोक जाटव, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल सहित अन्य

चित्रकूट। भारत सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में 17 से 20 जून तक तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ विधायक मऊ/मानिकपुर अविनाश चंद्र द्विवेदी, अध्यक्ष जिला पंचायत अशोक जाटव, भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक पंकज अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलन एवं फीता काटकर किया गया।

प्रदर्शनी मे जिला प्रशासन व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग व जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं की लगाई गई प्रदर्शनी। प्रदर्शनी में युवा, महिला एवं गरीब कल्याण को समर्पित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। साथ ही उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी वृहद आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) परियोजनाओं, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा आंतरिक सुरक्षा के सुदृढ़ मॉडल को 'पहले और अब' की थीम पर प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या, श्री काशी विश्वनाथ धाम वाराणसी, महाकुंभ प्रयागराज सहित प्रदेश के अन्य पुनर्जीवित तीर्थ एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास कार्यों को प्रदर्शित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनसामान्य तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रयासों की सराहना की गई। शिक्षा विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कुल्हाडी से हमला करने वाले युवक को दबोचा

चित्रकूट। पुलिस ने जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी से हमला करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

थानाध्यक्ष बहिलपुरवा ने बताया कि 15 जून को वादी शिवमूरत पुत्र सुरिजपाल वर्मा निवासी गौड़ा थाना बहिलपुरवा ने सूचना दी गयी कि 15 जून की रात्रि के समय मडैयन गाँव का ही लडका विष्णु पुत्र चुन्नू प्रसाद शराब के नशे में गाली देने लगा, मना करने पर कुल्हाडी लेकर आया और घर के बाहर लेटे हुए बड़े भाई के सिर में कुल्हाडी से वार कर दिया जिससे भाई राममूरत पुत्र सुरिजपाल उम्र लगभग को सिर में काफी चोटें आयी तथा बीच बचाव में वादी को भी चोट आयी है। पुलिस ने अभियुक्त को कुल्हाड़ी के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम मे उनि दिनेश कुमार पाण्डेय, आरक्षी सतीश यादव, राहुल यादव, विकास गुप्ता, महिला आरक्षी शिमला देवी आदि रहे।

त्रिवार्षिक चुनाव में शानू गुप्ता राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

व्यापारियो ने जतायी खुशी

चित्रकूट। व्यापारी नेता शानू गुप्ता को सम्मानित करते सांसद

चित्रकूट। दिल्ली में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन द्वारा आयोजित त्रिवार्षिक चुनाव में शानू गुप्ता को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाये जाने पर व्यापारियों में खुशी की लहर है।

दिल्ली के रेडीशन ब्लू में आयोजित बिजनेस समिट व राष्ट्रीय कार्यकारिणी चुनाव आयोजित हुआ जिसमें भारत सरकार व प्रदेश सरकार के मंत्री तथा अधिकारी व भारत के कई उद्योगपति व्यापारी प्रतिनिधि समिलित हुए व्यापारियों को ऐसी महत्वपूर्ण प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ देने के लिए हर संभव मदद करने का भरोसा दिया गया। वहीं त्रिवार्षिक राष्ट्रीय कार्यकारिणी चुनाव में शानू गुप्ता को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित होने पर देश व प्रदेश के व्यापारियों में खुशी की लहर है। शानू गुप्ता ने बताया कि बिज़नेस कॉन्क्लेव उद्यमी व व्यापारी हित में मील का पत्थर साबित होगी भारत सरकार व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही आधुनिकता व प्रोत्साहन नीति गरीब मध्यम व बड़े सभी के लिए आत्मनिर्भता क़ायम करने का अवसर प्रदान करती है बिजनेस कॉन्क्लेव में भारत सरकार के निवर्तमान मंत्री व मेम्बर आफ पार्लियामेंट डॉ महेश शर्मा उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान व कपिल देव अग्रवाल व भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार के निदेशक उप निदेशक आयुक्त सहित दर्जनों अधिकारियों ने जनहित की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए व्यापारी उद्यमियों की हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। शानू गुप्ता ने कहा कि चित्रकूट में जल्द ही एमएसएमई एंडस्ट्रीयल पार्क की रूपरेखा बनाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

बसपा ने बूथ सशक्तिकरण पर दिया जोर

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी की ललितपुर विधानसभा-226 के सेक्टर क्रमांक-21 बस्तगुवां में बूथों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने तथा आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान बूथ संख्या-168 सेमरा डांग पर कालूराम वंशकार तथा बूथ संख्या-169 सेमरा डांग पर रामचरण अहिरवार को बूथ अध्यक्ष चुना गया। वहीं बृजलाल अहिरवार, घनश्याम पाल एवं संतोष पाल को सर्वसम्मति से सेक्टर सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य अतिथि केहर सिंह गौतम (मंडल प्रभारी, झांसी मंडल) एवं जानकी प्रसाद बौद्ध (जिलाध्यक्ष, बसपा) ने पार्टी सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री कुमारी मायावती के संदेश को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाना है। इसके लिए सर्वसमाज, विशेषकर पिछड़े वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया गया है। वक्ताओं ने कहा कि बूथों की मजबूती से ही विधानसभा और सरकार का निर्माण होता है। यदि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने बूथ को मजबूत करेगा तो वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि मायावती के चार बार के शासनकाल में कानून का राज स्थापित हुआ, भ्रष्टाचार एवं अपराध पर नियंत्रण रहा तथा सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की नीति के तहत सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य किए गए। विशिष्ट अतिथि के रूप में छोटेलाल प्रजापति (जिला महासचिव), बाबूलाल शिवहरे (वरिष्ठ कार्यकर्ता), देवेंद्र मैनवार (विधानसभा प्रभारी) एवं संतोष अहिरवार (विधानसभा अध्यक्ष) मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता सेक्टर अध्यक्ष देवीलाल बस्तगुवां ने की। बैठक में कालूराम वंशकार, रामस्वरूप वंशकार, रामचरण अहिरवार, बृजलाल अहिरवार, संतोष पाल, घनश्याम पाल, पूरण, चिप्पे, गजेंद्र, लखन, पवन वर्मा, खिलन वर्मा, राजेश, विजय, संजय, अस्सू, धनसिंह, प्रमोद अहिरवार, दुर्जू अहिरवार, सुरेश, नीरज वर्मा, संतोष कुमार, रायसिंह, प्यारेलाल, राजकुमार, दशरथ बौद्ध, महेश कुमार, रोहित सेन, गणेश वर्मा, हरभजन रैकवार, लाल सिंह, आनंद कुमार, पप्पू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

ललितपुर। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री में संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा बड़ी मात्रा में लहन नष्ट किया गया। आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम माउमाफी में अवैध मद्य निष्कर्षण के अडडों को चिन्हित कर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। इसके अलावा जमीन में गाड़कर रखे गए ड्रमों को निकलवाते हुए लगभग 3000 किलोग्राम लहन (शराब बनाने हेतु तैयार सामग्री) को नष्ट कराया गया। छापेमारी के दौरान रचना कबूतरा एवं भूमि कबूतरा नामक दो महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। दोनों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कोतवाली ललितपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसके बाद संयुक्त टीम ने ग्राम रजवारा में दबिश देकर देशराज नामक अभियुक्त को 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ भी आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस संयुक्त अभियान में आबकारी निरीक्षक सदर अन्विता तिवारी, आबकारी निरीक्षक पाली प्रशांत मित्तल, आबकारी विभाग के कर्मचारी तथा कोतवाली के उपनिरीक्षक रज्जन बाबू के नेतृत्व में पुलिस बल शामिल रहा। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

योग मन की एकाग्रता, स्मरण शक्ति एवं सकारात्मक चिन्तन को देता बढावा : दीक्षा दीदी

मऊरानीपुर। दीप प्रज्जवलन। एवं योग करते लोग।

मऊरानीपुर (झाँसी) प्रजापिता ब्रहम्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय मऊरानीपुर द्वारा आयोजित सात दिवसीय योग शिविर में तृतीय दिवस की शुरुआत बीके दीक्षा दीदी के द्वारा एक विशेष माइण्ड एक्टिविटी का आयोजन कर की गयी। इसके पूर्व दीप प्रज्जवलन हुआ। इस गतिविधि का उद्देश्य मन की एकाग्रता , स्मरण शक्ति एवं सकारात्मक चिन्तन को बढावा देना था। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र के लोग बराबर सात दिवसीय कार्यक्रम में अपना हिस्सा बन रहे है। और योग शिविर कार्यक्रम को सफल बना रहे है। केन्द्र प्रभारी राजयोगिनी बीके चित्रा दीदी ने कहा कि मन को जीत लिया तो जीवन को जीत लिया। इसी सन्देश के साथ कार्यक्रम का सफल आयोजन चल रहा है। इस मौके पर बीके वरदानी दीदी, बीके रुकमणि दीदी, विनोद साहू, अशोक प्रजापति, दीपू गुप्ता, जगदीश मौर्य, रामकिशुन, प्रदीप गुप्ता, शिवकुमार , महेश चन्द्र अग्रवाल, इन्द्रपाल सिंह, अमर सिंह कुशवाहा, महेश, राम बिहारी सक्सेना, इकबाल खान, विजय, नरेन्द्र नायक, अजय सिंह यादव, विजय पटेल, अनुराग पटेल, अंकित शर्मा, अनुपम द्विवेदी, लक्ष्मी प्रसाद , रवि कुमार कुशवाहा, प्रमोद कुमार, सुशील, लक्ष्मी, रीता, फूलवती, मुकेश, मीरा, हीरा, अखिलेश, कुसुम विश्वकर्मा, रमा, अंजू, विनोशी, द्रोपती, सोनम गुप्ता, काजल, लक्ष्मी साहू, उर्मिला साहू, मुनीक्षा पटेल आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा के तहत लगाया झण्डा

मऊरानीपुर (झाँसी) अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के आदेशानुसार, आशीष पटेल कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आदेश के अनुपालन में बृजबिहारी राज विधानसभा अध्यक्ष मऊरानीपुर के आवास पर हर घर झण्डा अभियान के तहत झण्डा लगाया गया। साथ ही हर घर झण्डा के प्रति लोगों को जागरुक करते हुये आगामी 2027 के चुनाव को लेकर विचार विमर्श करते हुये आगामी मुख्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अरविन्द्र पटेल राष्ट्रीय महासचिव, कालका पटेल राष्ट्रीय सचिव, भारत सिंह पटेल जिलाध्यक्ष आदि के साथ तमाम कार्यकर्त्तागण मौजूद रहे।

वृद्व महिला के साथ धोखाधडी, कई महीने की हडपी राशि

चित्रकूट। कर्वी तहसील क्षेत्र की एक वृद्ध महिला ने बिजली विभाग के मीटर रीडर पर धोखाधड़ी कर कई महीनों तक बिजली बिल की राशि हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार सेमरिया जगन्नाथवासी निवासी मनोरिया ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके नाम से विद्युत कनेक्शन संचालित है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मीटर रीडर हर माह उनके घर आकर मीटर की रीडिंग लेने के साथ बिजली बिल की राशि भी वसूल करता था। वृद्ध महिला का कहना है कि वह नियमित रूप से बिल का भुगतान करती रही हैं। पीड़िता के अनुसार, पिछले चार-पांच महीनों से संबंधित मीटर रीडर उनके घर नहीं आया। इसके बाद 12 जून 2026 को जब वह दोबारा पहुंचा तो महिला ने उससे बिजली बिल निकालने को कहा। आरोप है कि मीटर रीडर ने मोबाइल में कुछ देखकर कहा कि उनका मीटर खराब है और बिजली खाते में 10 हजार रुपये बकाया चल रहा है। उसने कथित तौर पर कहा कि यदि 10 हजार रुपये दे दिए जाएं तो वह बिल निकाल देगा। महिला ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति लंबे समय से बिजली बिल के नाम पर उनसे धनराशि लेकर धोखाधड़ी करता रहा और जमा की गई राशि विभाग में जमा नहीं की। विरोध करने पर उसने धमकी भी दी और कहा कि जहां शिकायत करनी हो कर लो।

अम्बेडकर पार्क की भूमि पर कब्जे का आरोप

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम कचनौदा कलां में बाबा साहेब डा.भीमराव अम्बेडकर पार्क के लिए चिन्हित भूमि पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण कार्य का मामला सामने आया है। ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर भूमि को कब्जामुक्त कराने तथा आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में बाबा साहेब डा.भीमराव अम्बेडकर पार्क निर्माण के लिए राजस्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में खाता संख्या 942, आराजी संख्या 2030/4मि., रकबा 0.2020 हेक्टेयर (लगभग 50 डिसमिल) भूमि को चिन्हित किया गया था। आरोप है कि उक्त भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है और वर्तमान में वहां मकान निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जब ग्रामीणों ने पार्क के लिए आरक्षित भूमि पर निर्माण कार्य का विरोध किया तो कथित रूप से उन्हें धमकियां दी गईं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई, जिससे गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि अम्बेडकर पार्क के लिए चिन्हित भूमि की जांच कराकर उसे तत्काल कब्जामुक्त कराया जाए तथा यदि सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण पाया जाता है तो उसे हटाया जाए। साथ ही धमकी देने एवं शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले लोगों के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाए। शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर पार्क निर्माण के लिए भूमि को सुरक्षित कराया जाए, ताकि गांव के लोगों को बाबा साहेब के नाम पर प्रस्तावित पार्क की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार एक की मौत, दूसरा रिफर

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले कस्बा रानीपुर में भीषण सडक हादसा हो गया। जिसमें एक युवक की मौत हो गयी, जबकि दूसरा गम्भीर रुप से घायल हो गया। विवरण में रानीपुर झाँसी मार्ग पर पेट्रोल पम्प से निकल रहे टैऊक्टर और बाइक की आमने सामने टक्कर से नरेश निवासी झण्डापुरा, रानीपुर की मौत हो गयी। जबकि वीरेन्द्र कुशवाहा निवासी रानीपुर गम्भीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी बंगरा पहुँचाया। जहाँ डॉक्टरों ने नरेश को मृत घोषित कर दिया। गम्भीर रुप से घायल वीरेन्द्र को मेडीकल कॉलेज झाँसी रिफर कर दिया गया। हादसे के बाद टैऊक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने टैऊक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरु कर दी।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पिलाया गया पेयजल

मऊरानीपुर (झाँसी) तपती दोपहर की गर्मी तपिश के बीच रेलयात्रियों को मुहैया कराया गया पेयजल। यात्रियों ने श्री पुष्य नक्षत्र सेवा समिति की पूरी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। बता दे कि मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन पर श्री पुष्य नक्षत्र सेवा समिति की टीम ने दोपहर में यात्रियों को पेयजल पिलाकर उनकी प्यास को दूर किया। इस अवसर पर पूरी टीम का सराहनीय योगदान देखने को मिला। जिसमें हर एक यात्रीगण को पेयजल पहुँचा। इससे पूरी टीम का सराहनीय कदम देखने को मिला।

क्षत्रिय समाज ने वीर योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई

क्षत्रिय समाज के सैकड़ों लोगों की रही उपस्थिति

गुरसरांय। क्षत्रिय समाज के तत्वावधान में महान योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती रेंज चौराहा स्थित एक विवाह वाटिका में धूमधाम से मनाई गई।जिसमें उनकी बीरता एवं साहस की प्रसंशा करते हुए उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी गई।

महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद वक्ताओं ने उनके शौर्य एवं बीरता का इतिहास बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने की बात कही।

इस मौके पर राष्ट्रीय कवि गौरव सिंह चौहान ने कविताओं के माध्यम से भाव विभोर किया।

कार्यक्रम में कुंवर प्रतिपाल सिंह राम जी परिहार,चेयरमैन जयपाल सिंह राजू चौहान,कुंवर मृगेन्द्र सिंह,केशव सिंह परिहार कुरैठा,अभय प्रताप सिंह छोटू अस्ता,अशोक सिंह परमार एडवोकेट ताई,अबधेश सिंह फौजी,सुखदेव सिंह दीपू अस्ता,राजेश सिंह गुड्डू चौहान,राजेन्द्र सिंह बुंदेला गरौठा,चन्द्रभान सिंह परमार गुढा,मिलन परिहार गरौठा ,शिवराम सिंह फौजी अस्ता,भानुप्रताप सिंह परिहार, दीवान सिंह,मनीष दाऊ हैवतपुरा,शिवाजी राजा बुंदेला भस्नेह,शत्रुघन सिंह परिहार,भैया राजा सिया,गोविन्द प्रताप सिसोदिया,जय सिंह राजावत,पंकज सिंह परमार,अंश बुंदेला खरका, अभिषेक चौहान,भारतेन्दु बुंदेला भस्नेह ,देवेंद्र सिंह तोमर,श्याम सिंह अस्ता,जगराम सिंह अस्ता सहित सैकड़ों की संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग उपस्थित रहे।

खेत से अज्ञात चोरों ने किया हाथ साफ, सामान लेकर भागे

मऊरानीपुर (झाँसी) विगत रात्रि में अज्ञात चोरों ने एक खेत पर बने कमरे का ताला तोडकर उसमें रखे खेती का सामान और औजार चोरी कर लिये गये। जानकारी के अनुसार मुहल्ला गाँधीगंज निवासी जगदीश प्रसाद पुत्र स्व. हरकिशुन ने कोतवाली प्रभारी को दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके पुत्र अजय के नाम से ग्राम बुखारा मौजा में एक खेत है। जिसमें एक कमरा बना हुआ है। जिसमें खेती से सम्बन्धित सामान रखा रहता है। जिसका प्रयोग करते रहते है। 15 जून की रात्रि को खेत पर बने कमरे का अज्ञात चोरों ने ताला तोडकर उसमें रखा एक कटीले तार का बंडल, गैती, फावडा, सब्बल, लाइट की मोटी केबिल एवं म्यूजिक सिस्टम आदि सामान चोरी कर ले गये। घटना की जानकारी पीडित को तब हुयी जब वह 16 जून की सुबह खेत पर पहुँचा उसने देखा कि खेत पर बने कमरे का ताला टूटा है। अन्दर जाकर देखा तो खेती से सम्बन्धित सामान और औजार गायब है। पीडित ने कोतवाली पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्यवाही एवं चोरी गये सामान को बरामद कराने की माँग की।

न्यूज ब्रीफ

राज्यसभा साँसद का किया स्वागत

झाँसी जयूसं। निर्विरोध राज्यसभा सांसद का स्वागत डॉ. सुभाष रायकवार की नेतृत्व में कि या गया। आज बुंदेलखंड के ओरछा धाम श्री राम राजा सरकार की नगरी में निर्विरोध चुने गए राज्यसभा सांसद महेश केवट ने अपने निवास से निकलते हुए प्रथम हरसिद्धि मंदिर के दर्शन उपरांत भगवान श्री राम राजा के दर्शन एवं हरदौल समस्त मंदिरों के दर्शन किए नगर भ्रमण जगह-जगह जोरदार फूल मालाओं से धूमधाम से स्वागत सम्मान किया गया । इसी क्रम में मंदिर के पीछे श्री अभय कड़ा जी के निवास पर पहुंचे एवं उनके परिवार के समस्त सदस्यों ने भी माला अर्पण सोल उड़कर श्रीफल भेंट देकर स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर डॉ सुभाष रायकवार बुंदेलखंड अध्यक्ष कश्यप निषाद संगठन भारत झांसी के नेतृत्व में राजकुमार मछुआरा समाज के समस्त साथियों ने भी स्वागत सम्मान किया संजय कला डॉ. आर्यभोला ,कल राजू केवट ,राजकुमार कड़ा, विशाल ,विवेक, निशांत ,सुरेश ,हरचरण नेता, विक्रम कुशवाहा, नंदू रैकवार, राजेश रायकवार, शंकर भाई ,एडवोकेट रवि केवट, मातादीन रैकवार ,रामकुमार परिहार, नंदराम रैकवार ,राजू सोनी ,मनोज कड़ा आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

कलैक्ट्रेट में थाली-सिलेंडर लेकर पहुँचे सपाई किया प्रदर्शन

झांसी जयूसं। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को जनसमस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह भोजला के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में खाली थालियां और गैस सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरे। नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय की ओर बढ़े। रास्ते में पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन सपाई जोशीले अंदाज में सीधे कलैक्ट्रेट जाकर ही रुके। यहां उन्होंने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। सपा कार्यकर्ताओं का हुजूम देखते हुए पुलिस ने कलेक्ट्रेट का मेन गेट बंद किया। खाली मटके और गैस सिलेंडर लेकर कलेक्ट्रेट की ओर कूच करते सपाई। प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह भोजला ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के कारण आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं के संकट से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सिलेंडर से गैस, थाली से भोजन, युवाओं से रोजगार और विद्यार्थियों से शिक्षा छीन ली है। बढ़ती महंगाई और अराजकता से जनता त्रस्त है तथा लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

3 सटोरियों की जमानत याचिका खारिज

झांसी जयूसं। डेढ़ माह पहले पुलिस की गाड़ी को फॉर्च्यूनर से टक्कर मारने वाले शुभम उपाध्याय समेत सटोरियों की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी। फिलहाल तीनों को जेल में रहना पड़ेगा।
डीजीसी क्राइम मृदुलकांत श्रीवास्तव ने बताया कि 28 अप्रैल 2026 को नवाबाद पुलिस को सूचना मिली कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले माफिया तिलयानी बजरिया निवासी शुभम उपाध्याय, सिंधी कॉलोनी गल्ला मंडी निवासी विजय बाधवा, बड़ागांव गेट बाहर निवासी नितिन अग्रवाल फॉर्च्यूनर गाड़ी से मुस्तरा जाने वाले रोड से कही भागने की फिराक में है। इस सूचना पर नवाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार, विश्विद्यालय चौकी प्रभारी निखिल सिंह अलग अलग दो सरकारी गाड़ियों से सट्टा माफिया की तलाश में निकले। जैसे ही पुलिस टीम मुस्तरा जाने वाले मार्ग पर कच्ची सड़क पर पहुंची तभी सट्टा माफियाओं ने पुलिस को देख भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने अपनी सरकारी गाड़ी से उनका पीछा किया तो सट्टा माफियाओं ने पुलिस को कुचलने का प्रयास करते हुए अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी से पुलिस की गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे गाड़ी पलटने से उपनिरीक्षक निखिल सिंह सहित कई पुलिस कर्मी घायल हो गए ओर सट्टा माफिया भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को दबोच कर उनके कब्जे से ढेर सारी सट्टे की आईडी, करोड़ों रुपयों का ऑन लाइन ट्रांजेक्शन, एक दर्जन से अधिक कीमती मोबाइल फोन सहित नकदी बरामद कर ली थी। तभी से आरोपी जेल में है। डीजीसी क्राइम मृदुल कांत श्रीवास्तव ने बताया कि सभी आरोपी जेल में है। आज आरोपी शुभम उपाध्याय, नितिन अग्रवाल, विजय की ओर से सत्र न्यायाधीश कमलेश कच्छल की अदालत ने सभी सट्टा आरोपियों का गंभीर आर्थिक अपराध मानते हुए आरोपियों को जमानत देने से इंकार करते हुए सभी को जमानत देने से इनकार कर उनका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

केन्द्र सरकार के12 वर्ष पूर्ण होने पर चार दिवसीय विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ

- केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड के विकास पर किये जा रहे कार्य

झाँसी जयूसं। केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद झाँसी में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा पं.दीनदयाल सभागार परिसर में आयोजित चार दिवसीय विकास प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि साँसद झांसी-ललितपुर अनुराग शर्माने फीता काटकर किया। इस अवसरजिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार गौतम, विधायक सदर रवि शर्मा,विधायक बबीना राजीव सिंह पारीछा, सदस्य विधान परिषद उ.प्र.श्रीमती रमा निरंजन, सदस्य विधान परिषद उ.प्र.रामतीर्थ सिंघल, अध्यक्ष गौसेवा आयोग श्री श्याम बिहारी गुप्ता, जिलाध्यक्ष महानगर सुधीर सिंह, जिलाध्यक्ष ग्रामीण प्रदीप पटेल, जिलाधिकारी गौरांग राठी, मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड की उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि सांसद झांसी-ललितपुर अनुराग शर्मा ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि विगत 12 वर्षों में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का कार्य किया गया है।

साँसद नेकहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड के विकास पर अभूतपूर्व कार्य किये जा रहे हैं, जिसके अन्तर्गत 05 हाई-वे, 01 एक्सप्रेस-वे, 08 फ्लाई ओवर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन का विकास, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की सौगात मिल चुकी है, इसके साथ ही एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले बुन्देलखण्ड सूखाग्रस्त रहा, लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा हर घर नल जल योजना सहित विभिन्न क्षेत्रों में आये दिन सौगात दी जा रही है। विकास प्रदर्शनी में शिक्षा सुविधाओं का विस्तार के अन्तर्गत जनपद झांसी में रु.27 करोड़ से कटेरा, गणेशपुरा-बबीना एवं बिजौली में राजकीय महाविद्यालयों का निर्माण, जनपद के विद्यार्थियों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, झांसी में तकनीकी शिक्षा युवाओं को नई दिशा में रु.11.46 करोड़ से बबीना में आईटीआई भवन निर्मित, तकनीकी शिक्षा प्रोत्साहन से युवाओं को मिल रहा रोजगार, खेलेगा झांसी निखरेगा झांसी के अन्तर्गत रु.3.57 करोड़ से मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में जिम्नास्टिक हॉल का निर्माण, युवाओं को मिल रहीं आधुनिक खेल सुविधाएं, झांसी को उपहार स्मार्ट सुविधाओं का विस्तार के अन्तर्गत रु. 25 करोड़ से मल्टी लेवल कार पार्किंग की व्यवस्था, रु.07 करोड़ से तैयार इलेक्ट्रिक बस मेंटेनेंस डिपो, मेरी झांसी, मेरी शान स्वच्छता है पहचान के अन्तर्गत रु.28 करोड़ से बिजौली में सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट, जनपद को स्वच्छ और हरित बनाने की पहल, झांसी में पर्यटन का विकास रोजगार के अवसर अपार रु. 99.50 लाख से पर्यटक सूचना केंद्र का विकास, पर्यटकों को मिल रही बेहतर सुविधाएं, झांसी में सशक्त और सक्षम सुरक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत रु.13.57 करोड़ से 33वीं वाहिनी पीएसी में 200 बैरक तैयार, रु.9.07 करोड़ से अग्निशमन केंद्र समथर में भवन निर्माण, सुरक्षा सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं में बड़े सुधारों को सचित्र प्रदर्शित किया गया है।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने केन्द्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रदर्शनी में शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री सुमंगला कन्या योजना, एक जनपद एक उत्पाद, विकसित भारत-जी राम जी एवं अन्य महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी सचित्र प्रदर्शित की गई।

इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर लगाई गई सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की विकास प्रदर्शनी का गहनतापूर्वक अवलोकन किया गया, इसके साथ ही उन्होंने आमजनमानस से अपील करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी 17 जून से 20 जून 2026 तक पूर्ण रूप से निःशुल्क है। पं. दीनदयाल सभागार के परिसर में केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बीडा, डिफेस कॉरिडोर, लोक निर्माण, झांसी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जलजीवन मिशन, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, चिकित्सा एवं स्वाथ्य, कौशल विकास मिशन, उद्योग, संस्कृति एवं पर्यटन, समाज कल्याण, स्वतः रोजगार, नेडा, कृषि, राजस्व, पुलिस, प्रोबेशन, महिला एवं बाल विकास, श्रम, डूडा, बाल एवं पुष्टाहार, विद्युत, वन, खाद्य एवं रसद, शिक्षा विभाग के स्टॉल लगाकर अपनी-अपनी योजनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है जो कि आमजन के लिए लाभदायक सिद्ध हो रही है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी गौरांग राठी, मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए राजेश कुमार, सहायक निदेशक सूचना , सूचना कार्यालय के कार्मिक अतुल दीक्षित, दीनानाथ, रविन्द्र कुमार सिंह, आजाद सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद में सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित होगा मुहर्रम का त्यौहार : जिलाधिकारी

झाँसी जयूसं। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने आगामी त्योहारों सहित मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक में अध्यक्षता करते हुए जनपद में कानून व्यवस्था एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के सम्बन्ध में धार्मिक गुरु एवं गणमान्य नागरिकों के साथ कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में तैयारियों की समीक्षा की। पीस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जनपद में 21 जून को आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में उपस्थित समस्त धर्मगुरुओं सहित आम जनमानस को आमंत्रित किया।उन्होंने मुहर्रम के दौरान डी.जे. म्यूजिक सिस्टम संचालन के सम्बन्ध में निर्देश देते हुए कहा की सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार ही डी.जे.बजाया जाना सुनिश्चित किया जाए, उन्होंने कहा कि मोहर्रम के जुलूस में किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए।साथ ही किसी भी अनहोनी से बचाव के लिए ताजियों की ऊँचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि मोहर्रम के दौरान ताजिया जलूस में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, उक्त के दृष्टिगत रूट के मार्ग को मरम्मत कराते हुए गड्ढा मुक्त किया जाए। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होने वाली मजलिस में आधारभूत सुविधाएं यथा पेयजल, विद्युत आपूर्ति और प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बारीश के मौसम को देखते हुए चिकित्सा सम्बन्धी समस्त व्यवस्था स्वयं के दिशा-निर्देश में नियमित रुप मॉनिटरिंग करते हुए सीएचसी/पीएचसी में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने एंव एम्बुलेंस की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये ।

अराजक तत्वों पर रखी जाये कड़ी नजर

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जनपद में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि विघ्न डालने वाले अराजक तत्वों एवं अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती से नजर रखी जाये और किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाये।

विद्युत से संबंधित समस्याओं का करें निस्तारण

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के एस.ई. को निर्देशित किया कि भूमि पर रखे ट्रांसफार्मर, लटके हुए जर्जर तार और विद्युत से सम्बन्धित अन्य समस्या का त्वरित निस्तारण करें। जिससे निर्वाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने नगर निगम को केबिल के लटके तारों को सम्बन्धित संबंधित ऑपरेटर के माध्यम से ठीक कराए जाने के निर्देश दिये।

डीजे की अनुमति न दी जाये

पीस कमेटी की बैठक में शहर काजी मोहम्मद हाशिम ने जिला प्रशासन को सुझाव दिया कि डीजे की अनुमति न दी जाए, क्योंकि इससे हृदय रोग से पीड़ित व्यक्ति को बहुत तकलीफ होती है। बैठक में अन्य उपस्थित धर्मगुरु एवं गणमान्य जनों ने अपने सुझाव देते हुए कहा कि ताजियों के जुलूस मार्ग को जल्द से जल्द गड्ढा मुक्त कराया जाए अन्यथा समस्या होगी।

बिजली के झूलते तारों को सुव्यवस्थित करें

ताजियों को करबला जाने वाले मार्ग पर बिजली विभाग के लटके हुए तारों को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए, इसके अतिरिक्त कर्बला की समय से साफ सफाई कर ली जाए। पुलिया नंबर 09 इलाहाबादी मोहल्ले में मिसिल लगती है। जहां ट्रांसफार्मर खुले में रखा है इसे जल्द से जल्द सुरक्षित किया जाए ताकि अनहोनी घटना से बचा जा सके।

बैठक मे आचार्य हरिओम पाठक, शिया धर्मगुरुशाने हैदर जैदी,याकूब अहमद मंसूरी , पंडित कैलाश नारायण पाठक, मुकेश अग्रवाल,अतुल किलपन, विनोद अवस्थी, नीरज जोशी सचिव विश्व हिंदू परिषद, ताजिया कमेटी केनूर अहमद मंसूरी ने भी अपने सुझाव रखें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड,एसपी देहात डॉ.अरविन्द कुमार,एडीएम प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, एडीएम वित्त एवं राजस्व श्रीमती पल्लवी मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट प्रमोद झा, सीओ सिटी रामवीर सिंह, सीएफओ आर. केराय सहित विद्युत, जल संसाधन, जल निगम के जिला स्तरीय अधिकारी सहित विभिन्न धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बलिदान दिवस की पूर्वसंध्या पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

झाँसी जयूसं। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित 5नमन, कार्यक्रम के तहत 17 जून 2026 बुधवार को राजकीय संग्रहालय झांसी एवं सामाजिक संस्था प्रयास - सभी के लिए के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकला प्रतियोगिता संस्था अध्यक्ष एंजिनियर केड राजकीय संग्रहालय में हुयी। कला कुम्भ का शुभारम्भ राजकीय संग्रहालय के उपनिदेशक डॉ. मनोज कुमार गौतम एवं अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी केतन सिंह ने किया। रामकुमार अग्रवाल यूको एवं रामेश्वर प्रसाद मोदी के संयोजन में दो वर्गों में हुयी चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने महारानी लक्ष्मीबाई एवं उनसे सम्बन्धित स्मारकों को कागज पर उकेरा। प्रतियोगिता के निर्णायक संगीता नगरिया, कामिनी बघेल और किशन सोनी रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता के प्रथम रुप (10 से 15 आयु वर्ग) में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें दिव्य अग्रवाल प्रथम, अनिका मौर्य द्वितीय एवं अनन्या गुप्ता तृतीय रहे। सीनियर ग्रुप (15 से 30 वर्ष आयु वर्ग) में 44 प्रतिभागियों में से भारती प्रजापति प्रथम, सुमित सोनी द्वितीय और सबत खालिदी तृतीय रहे। समाज को नई दिशा देने वाली वीरांगनाओं का सम्मान समारोह के रूप में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सांसद अनुराग शर्मा, अनुराधा शर्मा, विशिष्ट अतिथि सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर बाहर दतिया गेट की प्रधानाचार्य कल्पना सिंह ने किया। प्रमोद चउदा एवं बृजमोहन गुप्ता के संयोजन में चुनौतियों को अवसर में बदलकर समाज को नई दिशा और नई ऊर्जा देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष मनमोहन गेड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. निधि अग्रवाल, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता डॉ. भारती गुप्ता, पर्वतारोही सोनिया कुशवाहा, डॉ. रिचा अग्रवाल, जीविका, माही ढकेता, अनिका मौर्य, धन्या कुशवाहा, मोनिका परिहार, नीलू जैन, रीना सोनी, अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ज्योति सिंह, दीपा यादव, संध्या खैरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामबाबू शर्मा, रामकुमार लोहिया, महिला विंग अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, सचिव साधना पटवारी, अलका गेड़ा, अशोक अग्रवाल पीएनबी, अरुण खरे, लखन पटवारी, बृजेश बड़ोनिया, वीपी नायक, दिनेश वर्मा एडवोकेट, राकेश मेहरोत्रा, विनोद अग्रवाल यूको, राकेश गुप्ता पीएनबी, आराधना मोदी, अमित अग्रवाल एसबीआइ, डीएस अग्रवाल, एचएन शर्मा, इन्दिरा अग्रवाल, विनय व्यास एडवोकेट, महेन्द्र दीवान, विजय खरे एडवोकेट, बलराम गुप्ता, सीवी राय तरुण, ऋतु पुरवार, सुभाष पुरवार एडवोकेट, ऊषा अग्रवाल, निधि अग्रवाल, प्रीति मेहरोत्रा, मधु पासी, योजना मिश्रा आदि उपस्थित रहीं। पूर्व अध्यक्ष सुनील खरे एवं अनीता चौरसिया ने संचालन, महामन्त्री नवीन श्रीवास्तव और दिनेश चौरसिया ने आभार व्यक्त किया।

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर किया दीपदान

झांसी जयूसं। आज बुंदेलखंड तालाब संरक्षण समिति के तत्वाधान में डॉ. सुनील तिवारी के संयोजन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के मुख्य आतिथ्य में लक्ष्मी तालाब पर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम? की अमर योद्धा वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर दीपदान किया गया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई बाई को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न सिर्फ़ देश की आजादी के लिए क्रांति की ज्वाला प्रज्वलित कर अपने प्राणों की आहुति दी बल्कि अपने शासन में कौमी एकता और सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.सुनील तिवारी कहा कि प्रशासन की उदासीनता और तमाम अवरोधों के बावजूद कल बलिदान दिवस पर लक्ष्मी तालाब में स्थित वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर कल माल्यार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मोहन नेपाली , रिपुसुदन नामदेव, पं.अशोक तिवारी गुरु,अमीर चंद आर्य, शैलेन्द्र कुमार शीलू, राम कुमार मकडारिया, हुकुम चंद रायकवार , कैलाश स्वर्णकार, मनोज तिवारी, कमल जैन,रशीद मंसूरी आदि ने वीरांगना के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीपदान कर उन्हें स्मरण किया।

जनसत्ता लोकतांत्रिक ने जन्म दिवस महाराणा प्रताप किया नमन

महाराणा प्रताप एक वीर योद्धा थे :डॉ.मधुपाल सिंह

झाँसी जयूसं। जनसत्ता लोकतांत्रिक झांसी के तत्वाधान में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जन्म दिवस के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर जिलाअध्यक्ष डॉ.मधुपाल सिंह ने उनके चित्र पर माला अर्पण कर दीप प्रज्वलित किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर डॉक्टर मधुपाल सिंह ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महाराणा प्रताप एक ऐसे वीर योद्धा थे जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी कहा जाता है उन्होंने राज पाठ छोड़कर देश की स्वतंत्रता के लिए जंगलों में रहकर घास उसकी रोटियां खाई उन्होंने हमेशा अपने साथ अपने सभी वर्ग के साथियों को लेकर युद्ध लड़ा उन्होंने जंगल में रहने वाले कोल भील तथा एक दानवीर भामाशाह की भी सहायता ली और उन्होंने अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखना के लिए हमेशा मुगलो के साथ युद्ध किया और उन्हें पराजित किया और अपने देश को सुरक्षित रखा यही नहीं महाराणा प्रताप ने उस समय जल संरक्षण व गुड गवर्नेंस जैसी योजनाओं को लागू किया था जो आज सरकार उसको अपनाने का कार्य कर रही है महाराणा प्रताप जैसे योद्धा को यह देश कभी भूल नहीं सकता उनके बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा इस मौके पर मुख्य रूप से प्रदीप रैकवार, रितेश सिंह परीक्षा ,रमन दास जी महाराज ,संजीव सिंह राजावत ,नरेंद्र कुशवाहा, रणधीरसिंह ,शुभमसिंह, रितेश भारद्वाज ,शिवम राजा परमार कुलदीप सिंह ,चंद्र प्रकाश अहिरवार ,भानु यादव ,विजय नामदेव ,अजय चंदेल, देवेंद्र सिंह परिहार, नारायण दास कुशवाहा भूपेंद्र तिवारी आदि उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी